दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

सर्दी–खांसी होने पर पानी पीने का ...8

बलरामपुर
रविवार , 07 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 246 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

खान सर केस में नया ट्विस्ट: गिरफ्तारी के डर से अग्रिम जमानत के लिए लगाई अर्जी

फैसल खान, जिन्हें लोकप्रिय रूप से खान सर के नाम से जाना जाता है, ने शनिवार को बिहार के पटना स्थित एक अदालत में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी। उनका नाम शहर में उनके कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के संबंध में दर्ज एफआईआर में सामने आया है। उनके वकील ने कहा कि इस प्रतिष्ठित शिक्षक का नाम प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के निदेशक द्वारा रची गई साजिश के तहत मामले में शामिल किया गया है। यह घटना खान ग्लोबल स्टडीज इंस्टीट्यूट में कथित तौर पर तोड़फोड़ और पत्थरबाजी करने वाले 15–20 लोगों के एक समूह के कुछ दिनों

बाद घटी है। यह घटना मंगलवार रात को हुई थी। बाद में, गुरुवार, 4 जून को, पुलिस ने खान के कोचिंग सेंटर में कार्यरत दो गार्डों को तोड़फोड़ के दौरान गोली चलाने के आरोप में हिरासत में लिया। यह हिरासत एक वायरल वीडियो के बाद हुई, जिसमें गार्डों को गोली चलाते हुए दिखाया गया था।

सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों गार्डों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने खान के निर्देश पर गोली चलाई थी। उन्होंने दावा किया कि कोचिंग सेंटर के बाहर हुई हाथापाई की घटना के बाद गोलीबारी का आदेश दिया गया था, जब स्थिति बिगड़ गई और भीड़ जमा हो गई। अपने मुवक्किल के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर करने अदालत पहुंचे खान के वकील अरविंद कुमार माव्वर ने कहा कि गार्डों ने सुरक्षा के लिए हवा में गोली चलाई थी और कोई घायल नहीं हुआ।

तीन साल की मासूम की 'Rare Disease' से जंग, इलाज के खर्च को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंची फैमिली

नई दिल्ली। एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार से पीड़ित तीन वर्षीय बच्ची ने अपने पिता के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसमें जीवन रक्षक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए तत्काल सरकारी वित्तीय सहायता की मांग की गई है। परिवार ने अदालत से केंद्र सरकार को आवश्यक धनराशि तत्काल जारी करने का निर्देश देने का आग्रह किया है, उनका तर्क है कि और देरी से बच्चे के जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। 5 जून को अदालत

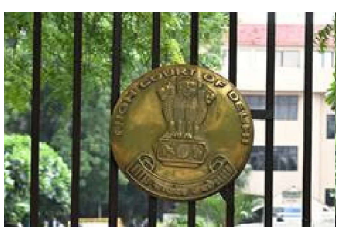

की अवकाशकालीन बैठक में मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और उसे निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मामले को 8 जून को अवकाशकालीन पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया गया है।

याचिका में क्या कहा गया है?: याचिका याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में अनुज अग्रवाल एंड कंपनी, एडवोकेट्स के माध्यम से दायर की गई है। याचिका में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की गई है कि बच्चे के हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो ट्रांसप्लांट और ऑपरेशन के बाद के उपचार के लिए आवश्यक संपूर्ण राशि सीधे चेन्नई के अपोलो अस्पताल को स्वीकृत और जारी की जाए, जहां इस प्रक्रिया की सिफारिश की गई है। इसमें यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश देने की मांग की गई है कि उपचार बिना किसी और देरी के शुरू हो। याचिका के अनुसार, बच्ची संस्कृति भगत उर्फ घ्घसांची, एलआरबीए (लिपोपॉलीसेकेराइड–रिस्पॉन्सिव बेज–लाइक एंकर प्रोटीन) की

योगी आदित्यनाथ का कड़ा संदेश: उत्सव के रंग में किसी ने भंग डाला तो वर्तमान और भविष्य भी हो जाएगा स्वाहा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अच्छे लोगों को चुनने पर जोर दिया और 2017 से पहले के उस दौर की ओर इशारा किया जिसमें विकास एक गांव तक ही सीमित था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आप अच्छे लोगों और अच्छी सरकार को चुनते हैं, तो परिणाम अच्छे होंगे। अगर गलत लोग चुने जाते हैं, तो इसके बुरे परिणामों से कोई आपको नहीं बचा पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि और, ऐसा होता था। 2017 से पहले, जब भी कोई गलत सरकार आती थी, विकास एक ही गाँव तक सीमित रह जाता था। योगी आदित्यनाथ ने चेतावनी देते हुए कहा कि उत्सव के रंग में अगर किसी ने भंग डालने का काम किया तो उसका वर्तमान तो

जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 2015–16 में गोंडा में दुर्गा पूजा में दंगे का प्रयास हुआ था और मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने नहीं दिया जाता था। उन्होंने कहा कि रामलीला में अड़चन डाली जाती थी। उत्सव प्रारम्भ होने से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। बेटी, व्यापारी सुरक्षित नहीं थे और 2017 से पहले सत्ता में बैठे लोग पेशेवर गुंडों को शरण देते थे और प्रदेश में महीनों कर्फ्यू रहता था। योगी ने 2017 के बाद अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की और चेतावनी भरे लहजे में कहा कि उत्सव के रंग में किसी ने भंग डालने का काम किया तो, वर्तमान तो जाएगा ही, उसका भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि गोंडा का विकास तुष्टीकरण, अराजकता, भाई–भतीजावाद और जातिवाद की भेंट चढ़ गया था। उन्होंने अपनी सरकार में सबके लिए समान व्यवहार का जिक्र करते हुए कहा कि हर पात्र व्यक्ति चाहे वह किसी जाति, मत–संप्रदाय का हो, अगर वह पात्रता की श्रेणी में आता है तो उसके साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया कि अगर आप अच्छे लोगों और अच्छी सरकार को चुनते हैं तो परिणाम अच्छे होंगे। गलत लोग चुनोगे तो उसके खामियाजे से कोई बचा नहीं पाएगा। उन्होंने 2017 से पहले के दौर पर निशाना साधते हुए कहा कि तब विकास एक गांव तक ही सीमित रह जाता था, सब कुछ वहीं होता था।

वैश्विक चुनौतियों के बीच पीएम मोदी का मंथन, ईएसी बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बने ये खास प्लान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी–पीएम) के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें वैश्विक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न ऊर्जा आपूर्ति संबंधी समस्याओं के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों के बावजूद आर्थिक गति को बनाए रखने और भारत की विकास संभावनाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से कई विचारों और नीतिगत उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा

में नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और देश में व्यापार करने की सुगमता को और बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए सुधारों पर भी विचार किया गया। प्रतिभागियों ने मौजूदा आर्थिक रुझानों की समीक्षा की और व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखते हुए विकास को गति देने के तरीकों का पता लगाया। ईएसी–पीएम के सदस्यों ने बदलते अंतरराष्ट्रीय आर्थिक वातावरण और भारत पर इसके संभावित प्रभावों के बारे में अपने आकलन साझा किए। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के वैश्विक बाजारों, व्यापार प्रवाह, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष ध्यान दिया गया। परिषद के सदस्यों ने इस बात पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए कि भू–राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापक वैश्विक आर्थिक परिदृश्य दोनों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने की अमित शाह से मुलाकात

पंजाब के मुद्दों पर हुई बड़ी चर्चा

नई दिल्ली। भाजपा उच्च कमान द्वारा उनसे परामर्श किए बिना केवर सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जताने के कुछ दिनों बाद, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। यह बैठक हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा द्वारा इस बात के संकेत दिए जाने के बाद हुई अटकलों के बीच हुई कि कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस के संपर्क में हैं और अपनी पुरानी पार्टी में लौट सकते हैं। हालांकि, कैप्टन

अमरिंदर ने इस सुझाव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बैठक काफी समय से लंबित थी। उन्होंने कहा मैंने अमित शाह से मुलाकात का अनुरोध किया था और उन्होंने मुझे तुरंत समय दिया। हमने पंजाब से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या चर्चा में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी रणनीति और संभावित गठबंधनों पर बात हुई, तो पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधनों के बारे में अभी बात करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि हमने चुनावी रणनीति और पंजाब में भाजपा क्या कर सकती है, इस पर चर्चा की। हमने किसी गठबंधन पर चर्चा नहीं की क्योंकि अभी बहुत जल्दी है।

जंतर–मंतर पर अभिजीत दिपके की ललकार

पोस्ट डिलीट करोगे, हमें मिटा नहीं पाओगे

नई दिल्ली। शनिवार को नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सैकड़ों समर्थक, जिनमें ज्यादातर स्कूली और कॉलेज के छात्र और युवा शामिल थे, इकट्ठा हुए। यह समूह द्वारा नीट–यूजी प्रश्न पत्र लीक और अन्य परीक्षा अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन का जवाब था। सभा को संबोधित करते हुए, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके, जो शनिवार सुबह दिल्ली पहुंचे, ने समूह की मांगों को पूरा करने के बजाय उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों पर कार्रवाई करने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। दिपके ने कहा कि मेरे दोस्तों, यह एक लंबी लड़ाई है। सोशल मीडिया पर प्रधान के इस्तीफे की मांग

शुरू किए हुए एक महीना हो गया है, लेकिन ये लोग इतने बेशर्म हैं कि कार्रवाई करने के बजाय, वे हमारे खातों को हैक करने और हमारी पोस्ट डिलीट करवाने जैसी अन्य हरकतों में लगे हुए हैं। आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, लेकिन आप हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते। आज सुबह अमेरिका से भारत आने की घटना को याद करते हुए, दिपके ने कहा कि दिल्ली में विमान के उतरने से ठीक पहले उन्हें ऐसा लगा जैसे वे अपनी आजादी के आखिरी पल जी रहे हों। उन्होंने कहा कि मैं इस उद्देश्य के लिए अपनी आजादी कुर्बान करने को पूरी तरह तैयार था। सीजेपी के संस्थापक ने दावा किया कि जेल जाने के डर से कई लोगों ने समझौता कर लिया है और श्देश के साथ हाथ मिला लियाश है। भीड़ की जोरदार तालियों के बीच उन्होंने कहा कि लेकिन इस देश का छात्र युवा नहीं बिका है। सांप्रदायिक राजनीति की कड़ी आलोचना करते हुए दिपके ने पूछा कि पिछले 10–12 वर्षों से इन लोगों ने हमें हिंदू–मुस्लिम राजनीति के जाल में फंसा रखा है... इससे किसे फायदा हुआ? क्या हिंदू–मुस्लिम राजनीति से देश में किसी को रोजगार मिला? कई प्रदर्शनकारी तिलचट्टे के मुखौटे पहने और फूल लिए हुए नजर आए। स्कूली छात्र भी अपने अभिभावकों के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए।

मालवीय नगर अग्निकांड: होटल का रसोइया गिरफ्तार, मालिक पुलिस कस्टडी में, जांच में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित श्फ्लोरिश स्टे होटलश में लगी भीषण आग की जांच अब बेहद तेज हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को इस मामले में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल के मुख्य रसोइए (कुक) को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान 65 वर्षीय केशव नेगी के रूप में हुई है, जो दिल्ली के दिलशाद गार्डन का निवासी है। शुरुआती पुलिस जांच में सामने आया है कि रसोइया केशव नेगी की घोर लापरवाही के कारण ही रसोई से आग भड़की, जिसने देखते ही देखते पूरी पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। मालवीय नगर के हौज रानी इलाके में चल रहे श्फ्लोरिश स्टे होटलश में 3 जून को आग लगी थी। आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई, जिससे अंदर मौजूद लोग फंस गए। यह हाल के वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में हुई सबसे घातक आग की घटनाओं में से एक थी। जांचकर्ताओं को इमारत में सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघन मिले हैं। आरोप है कि होटल बिना जरूरी श्फायर नो

दुबग्गा डिपो के संविदा परिचालकों एवं चालकों ने मुख्यमंत्री से समायोजन की मांग, सुरक्षित कार्य व्यवस्था और संरक्षण की भी अपील

लखनऊ, । दुबग्गा डिपो में कार्यरत संविदा परिचालकों एवं चालकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजकर अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों के समाधान की अपील की है। परिचालकों एवं चालकों ने कहा है कि वे लखनऊ महानगर परिवहन सेवा में लंबे समय से संविदा आधार पर कार्यरत हैं और पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व में कार्यरत संविदा कर्मियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में समायोजन एवं स्थानांतरण का लाभ दिया गया था। इसी आधार पर वर्ष 2021 से भर्ती सभी संविदा परिचालकों को भी यूपीएसआरटीसी में समायोजित किए जाने की मांग की गई है। साथ ही यह भी अनुरोध किया गया है कि लखनऊ महानगर परिवहन सेवा में नई भर्तियां आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से की जाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने मां पाटेश्वरी मंदिर में किए दर्शन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

लखनऊ/बलरामपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह तुलसीपुर स्थित देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में विधिवत दर्शन–पूजन कर मां की आरती उतारी और प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की।मुख्यमंत्री शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और उनसे आत्मीय संवाद भी किया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए जाने के निर्देश दिए।

'ऑपरेशन शेरुवाली': राजौरी के जंगलों में आतंकियों की घेराबंदी, 15 दिन से जारी है सबसे बड़ा ऑपरेशन

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में राजौरी और पुंछ के पहाड़ी इलाकों में आतंक के खिलाफ चल रही सबसे लंबी और कठिन घेराबंदी अब निर्णायक मोड़ में पहुंचती दिख रही है। घने जंगल, दुर्गम पहाड़ियां और नियंत्रण रेखा से सटे संवेदनशील इलाके इस समय सुरक्षा बलों की चौतरफा निगरानी में हैं। हम आपको बता दें कि राजौरी जिले के मंजाकोट सेक्टर के गंभीर मुगलान और दोरीमल के जंगलों में शुरू किया गया संयुक्त आतंक विरोधी अभियान अब पंद्रहवें दिन में प्रवेश कर चुका है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों का हौसला जरा भी कमजोर नहीं पड़ा है। सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीम लगातार संदिग्ध आतंकियों की तलाश में जंगल दर जंगल छानबीन कर रही है। 'ऑपरेशन शेरुवाली' नाम

से चलाए जा रहे इस अभियान की शुरुआत खुफिया सूचनाओं के आधार पर हुई थी। सुरक्षा एजेंसियों को इन इलाकों में आतंकियों की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले थे, जिसके बाद पूरे क्षेत्र को घेरकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा बलों की रणनीति साफ है कि आतंकियों को किसी भी कीमत पर सुरक्षित रास्ता नहीं मिलने देना है। यही वजह है कि इलाके में आने–जाने वाले हर व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। यात्रियों और स्थानीय लोगों के पहचान पत्र तक जांचे जा रहे हैं ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके। हालांकि यह अभियान आसान नहीं है। गंभीर मुगलान और दोरीमल के जंगल अपने घने वन क्षेत्र और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे इलाके आतंकियों के लिए छिपने की सुरक्षित जगह माने जाते हैं, लेकिन सुरक्षा बलों ने आधुनिक निगरानी तंत्र और लगातार दबाव बनाकर आतंकियों की हर हरकत पर नजर जमा रखी है। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियां इलाके में आतंकियों की आवाजाही को रोकने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का इस्तेमाल कर रही हैं। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा का घेरा इतना मजबूत कर दिया गया है कि बिना जांच किसी को भी संवेदनशील इलाकों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही। इसी बीच, पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा से लगे अग्रिम इलाकों में भी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया गया है। राजौरी–पुंछ रेंज के उप महानिरीक्षक संदीप वजीर ने सवजियां और आंगनपथरी जैसे संवेदनशील अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने न केवल सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की बल्कि अभियानगत तैयारियों का भी सीधा आकलन किया। सीमा से सटे इन इलाकों का रणनीतिक महत्व बेहद अहम माना जाता है क्योंकि आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें अक्सर इन्हीं रास्तों से होती रही हैं। दौरे के दौरान डीआईजी ने अग्रिम मोर्चों पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत की और उन्हेंकिसी भी उभरते खतरे से निपटने के लिए पूरी सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए।

एण्टी करप्शन कार्रवाई के विरोध में राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल संघ का बड़ा फैसला, समाधान दिवस का बहिष्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली तहसील समाधान दिवस शनिवार को उ०प्र० राजस्व निरीक्षक संघ जनपद शाखा बस्ती एवं उ०प्र० लेखपाल संघ जनपद शाखा बस्ती की संयुक्त बैठक शुक्रवार को सम्पन्न हुई। बैठक में तहसील सदर में तैनात राजस्व निरीक्षक अशर्फीलाल की एण्टी करप्शन टीम द्वारा की गई गिरफ्तारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि दिनांक 03 जून 2026 को तहसील सदर परिसर स्थित पुराने राजस्व निरीक्षक भवन से राजस्व निरीक्षक अशर्फीलाल को सरकारी कार्य के दौरान एण्टी करप्शन टीम द्वारा बिना पर्याप्त साक्ष्य के गिरफ्तार किया गया। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि मौके पर न तो हाथ धुलवाने की प्रक्रिया अपनाई गई और न ही अशर्फीलाल

के हाथ अथवा जेब से कोई धनराशि बरामद हुई, इसके बावजूद गिरफ्तारी की गई, जिसकी उन्होंने कड़ी निंदा की। संयुक्त बैठक में यह भी मांग उठाई गई कि भविष्य में एण्टी करप्शन टीम द्वारा किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी की स्थिति में प्रमाणिकता सुनिश्चित करने हेतु मौके पर ही हाथ धुलवाने जैसी आवश्यक कार्रवाई की जाए। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि थाने पर ले जाकर की जाने वाली ऐसी कार्यवाही की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। बैठक में थाना कोतवाली में दर्ज एफआईआर संख्या 0245/2026 का भी विरोध किया गया। संघ का कहना है कि गिरफ्तारी के दौरान तलाशी में धनराशि बरामद न होने तथा मौके पर हाथ न धुलवाए जाने को लेकर उपस्थित कर्मचारियों द्वारा स्वाभाविक रूप से सवाल उठाए गए थे। एण्टी करप्शन टीम द्वारा लेखपाल राजेश सहित 25 से 30 अज्ञात लेखपालों, कानूनगो एवं तहसील कर्मचारियों के विरुद्ध दर्ज कराई गई एफआईआर को संघ ने निराधार बताते हुए वापस लेने की मांग की है। संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उक्त घटना के विरोध में तथा दर्ज एफआईआर के प्रतिरोध स्वरूप दिनांक 06 जून 2026 को जनपद बस्ती की सभी तहसीलों में आयोजित होने वाले तहसील समाधान दिवस का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आगे की रणनीति तय कर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कपड़े उतार रही किशोरी पर गिरा छज्जा , मलबे में दबकर दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र के दीवानपुरवा गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में किशोरी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किशोरी घर के बाहर सूख रहे कपड़े उतार रही थी, तभी अचानक मकान का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा। छज्जे के मलबे में दबने से किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल उसे निकालने के लिए जुटे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना पर खैरीघाट थाना अध्यक्ष और क्षेत्राधिकारी महसी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। किशोरी की असमय मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने जर्जर मकानों और कमजोर निर्माणों की जांच कराए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

समाजवादी पार्टी नेता रितिक कुमार के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। हरैया तहसील क्षेत्र में घाघरा नदी के लगातार बढ़ते कटान से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। कटान से खेती योग्य भूमि नदी में समाती जा रही है और अब आबादी वाले क्षेत्र पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस समस्या को लेकर जिला अध्यक्ष समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी बस्ती रितिक कुमार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कटान रोकने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। सौंपे गए प्रार्थना पत्र में ग्राम माझा कित्ता अव्वल पोस्ट जैतापुर, थाना दुबौलिया निवासी लक्ष्मण निषाद ने बताया कि उनके क्षेत्र के पास से बहने वाली घाघरा नदी पिछले कुछ समय से विशेष रूप से वर्षा ऋतु में तेज कटान कर रही है। नदी के जलस्तर में वृद्धि होने पर भू–कटाव की स्थिति और गंभीर हो जाती है। कटान के कारण ठाकुर का पुरवा, करनपुर, फूलचन्दपुरवा समेत

आसपास के क्षेत्रों की सैकड़ों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि नदी में विलीन हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि अब नदी का बहाव धीरे–धीरे आबादी की ओर बढ़ रहा है। यदि समय रहते कटान रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पूरा गांव प्रभावित हो सकता है, जिससे लोगों के जान–माल को भारी नुकसान होने की आशंका है। इस स्थिति को लेकर क्षेत्र के लोग भय और चिंता के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी नेता रितिक कुमार ने बताया कि हरैया विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी सुरेंद्र मोहन निषाद द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया था। उनके निर्देश पर ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ज्ञापन में उल्लिखित मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि क्षेत्र का तकनीकी एवं प्रशासनिक निरीक्षण कराकर नदी किनारे पत्थरों के बोल्डर, जियो बैग अथवा पक्का बांध (ठोकर/स्पर्स) बनवाया जाए, ताकि कटान को रोका जा सके और ग्रामीणों की भूमि एवं आबादी को सुरक्षित रखा जा सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान लक्ष्मण निषाद, राम जगत निषाद, राम सहाय सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

मां की मौत के बाद अंतिम संस्कार को नहीं पहुंचे परिजन, समाजसेवियों ने संभाली जिम्मेदारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। गोण्डा जनपद की एक मार्मिक घटना ने लोगों को भावुक कर दिया। इलाज के दौरान मां की मौत के बाद जब अंतिम संस्कार के लिए कोई परिजन आगे नहीं आया, तब सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने जिम्मेदारी संभालते हुए सात वर्षीय मासूम बेटे के साथ मिलकर महिला का अंतिम संस्कार कराया।जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय गीता देवी निवासी मया बाजार, अयोध्या की गुरुवार को गोण्डा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। अस्पताल में उनके साथ केवल उनका सात वर्षीय पुत्र अर्पित मौजूद था। मां की मौत के बाद अर्पित करीब 24 घंटे तक अंतिम संस्कार के लिए मदद का इंतजार करता रहा, लेकिन कोई परिजन सामने नहीं आया।बताया जाता है कि अर्पित अपने परिवार के अन्य सदस्यों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था। सूचना मिलने पर नगर कोतवाली पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर महिला के शव को पोस्टमार्टम हाउस की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। पुलिस मामले

की जांच में जुटी रही।करीब 24 घंटे बीत जाने के बाद शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और सनातन समिति के कार्यकर्ता आगे आए। संगठन के सदस्यों ने मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी से शव को अपने कब्जे में लेकर सात वर्षीय अर्पित के साथ कच्चे बाबा घाट पहुंचाया, जहां विधि–विधान से अंतिम संस्कार कराया गया। इस दौरान मासूम अर्पित ने अपनी मां को मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गीता देवी ने लगभग नौ वर्ष पूर्व अपने घर से भागकर दिनेश उर्फ प्रदीप कुमार नामक व्यक्ति से विवाह किया था। दोनों कुछ वर्षों तक साथ रहे, लेकिन करीब दो वर्ष पहले प्रदीप कुमार ने दूसरी शादी कर ली और गीता को छोड़ दिया। इसके बाद गीता अपने बेटे अर्पित के साथ अकेले जीवन यापन कर रही थीं।बताया जाता है कि गीता अपने पुत्र के साथ लुधियाना से ट्रेन द्वारा गोण्डा रेलवे स्टेशन पहुंची थीं। वहां से उन्हें अयोध्या जाना था, लेकिन रोडवेज बस स्टैंड के पास अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। मासूम अर्पित ने राहगीरों से मदद की गुहार लगाई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।यह घटना न केवल मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है, बल्कि समाज के सामने कई सवाल भी खड़े करती है। वहीं सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों द्वारा निभाई गई जिम्मेदारी की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

कैसरगंज में जनगणना की निष्पक्षता को लेकर निषाद पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कैसरगंज/बहराइच। निषाद पार्टी के जिला महासचिव पंकज

कुमार निषाद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कैसरगंज के उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर जनगणना कार्य में कथित अनियमितताओं की शिकायत की तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी जनगणना कराए जाने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि तहसील कैसरगंज क्षेत्र के मछुआ बहुल गांवों में कार्यरत जनगणना कर्मी लोगों से उनकी जाति एवं उपजाति की सही जानकारी प्राप्त किए बिना ही विवरण दर्ज कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि अनुसूचित जाति 'मझवार' की उपजातियों जैसे निषाद, कश्यप, कहार, केवट, मल्लाह, गोड़िया, धुरिया और चाई समुदाय के लोगों का विवरण गलत तरीके से अंकित किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि कोई व्यक्ति अपने विवरण में अनुसूचित जाति 'मझवार' दर्ज करने की बात करता है, तो कुछ जनगणना कर्मी उससे जाति प्रमाण पत्र अथवा अन्य दस्तावेज मांगकर अनावश्यक रूप से परेशान करते हैं। जबकि जनगणना संबंधी दिशा–निर्देशों के अनुसार किसी भी व्यक्ति से कागजात मांगकर उसे प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। निषाद पार्टी के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी से मांग की कि जनगणना कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि मछुआ समाज के लोगों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सही जानकारी को जनगणना रजिस्टर में दर्ज किया जाए तथा सर्वेक्षण कार्य को पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जा सके। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल निषाद, निषाद युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष बृजेश निषाद, कैसरगंज विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र निषाद, पयागपुर विधानसभा अध्यक्ष शिवराज निषाद, निषाद एकता परिषद के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र निषाद, जिला कार्यक्रम सचिव पवन निषाद, सुखराम उर्फ पप्पू निषाद, शिवकुमार निषाद, लक्ष्मण निषाद, महेश चंद्र निषाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली विभाग की लापरवाही, उपभोक्ता को 1.79 लाख रुपये का भेजा बिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला (बलरामपुर)। संपूर्ण समाधान दिवस में बिजली विभाग की कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। बभनी बुजुर्ग निवासी प्रेमचंद ने गलत बिजली बिल जारी किए जाने की शिकायत प्रशासन से की है।प्रेमचंद का आरोप है कि उन्होंने 3 जनवरी 2026 को 13,699 रुपये का बिजली बिल जमा किया था, लेकिन इसके बावजूद विभाग की ओर से 48,652 रुपये बकाया दर्शाते हुए बाद में 1,79,880 रुपये का बिल भेज दिया गया। उनका कहना है कि मीटर रीडर द्वारा गलत रीडिंग दर्ज किए जाने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके मीटर की वास्तविक रीडिंग 53,652 है, जबकि विभाग ने अत्यधिक खपत दर्शाते हुए 1. 79 लाख रुपये का बिल जारी कर दिया। उन्होंने इसे पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि इतनी बिजली खपत संभव नहीं है।प्रेमचंद ने बताया कि वह कई बार विद्युत विभाग के कार्यालय का चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर गलत बिल संशोधित कर वास्तविक बिल जारी करने की मांग की है।उन्होंने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि यदि उनके द्वारा लगाए गए आरोप असत्य पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। अब मामला प्रशासन के संज्ञान में आने के बाद जांच और आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त के लिए 30 जून तक ई–केवाईसी और फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पारदर्शिता बढ़ाने, डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा केवल वास्तविक एवं जीवित लाभार्थियों को ही योजना का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने सभी लाभार्थी किसानों के लिए वार्षिक ई–केवाईसी अनिवार्य कर दी है। चालू वर्ष की ई–केवाईसी प्रक्रिया 30 जून 2026 तक पूर्ण करना आवश्यक होगा।उप .षि निदेशक गोण्डा संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। उन्होंने कहा कि यदि कोई लाभार्थी किसान निर्धारित समय सीमा के भीतर ई–केवाईसी नहीं कराता है तो उसकी आगामी किस्त अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है।किसानों

की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई–केवाईसी के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। किसान पीएम किसान मोबाइल एप के माध्यम से घर बैठे फेसियल ई–केवाईसी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त निकटतम जन सेवा केंद्र (सीएससी) पर बायोमैट्रिक ई–केवाईसी की सुविधा भी उपलब्ध है। .षि विभाग के न्याय पंचायत एवं विकास खंड स्तर के कर्मचारियों द्वारा भी फेसियल ई–केवाईसी कराई जा रही है।उप . षि निदेशक ने बताया कि वर्ष 2019 से पात्र होने के बावजूद योजना का लाभ न प्राप्त कर सके किसानों के लिए भारत सरकार ने पुनः आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। ऐसे किसान आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य होगा।उन्होंने जनपद के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिन लाभार्थियों ने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच ई–केवाईसी नहीं कराई है, वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना 30 जून 2026 से पहले अपनी ई–केवाईसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी किस्त प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

पिपरा राम गांव में जल्द बनेगी पुलिस चौकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला, बलरामपुर।गुरुवार को पिपराराम में बस्ती राजमार्ग पर आरोपी के कब्जे से खाली कराई गई नवीन परती की जमीन पर पुलिस चौकी बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को डीएम ने खाली कराई गई साढ़े तीन डेसीमल जमीन का निरीक्षण कर एसडीएम को निर्देश दिया कि इस भूमि को पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने की कार्रवाई कर रिपोर्ट भेजी जाए ताकि शासन से इसके लिए बजट जारी कराया जा सके। एसडीएम मनोज कुमार ने बताया कि राजस्वकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि जमीन का नक्शा व अन्य आबंटन संबंधी फाइल तैयार करें।

अयोध्या दर्शन से लौट रहे दो दोस्तों की बाइक ट्रक से टकराई,एक की मौत, दूसरा गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा के निवासी व्यक्ति अयोध्या में रामलला के दर्शन कर घर लौट रहे दो दोस्तों की बाइक शनिवार सुबह वजीरगंज थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में 23 वर्षीय नवविवाहित युवक .ष्णलाल उर्फ दद्दन की दर्दनाक मौत हो गई,जबकि उसका साथी शिवम अवस्थी (20) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

नकारी के अनुसार, चौदहा मेटुकहा गांव निवासी .ष्णलाल उर्फ दद्दन गुरुवार रात अपने पांच दोस्तों के साथ दो बाइकों से अयोध्या रामलला के दर्शन करने गया था।दर्शन के बाद सभी शनिवार सुबह करीब पांच बजे घर लौट रहे थे। इसी दौरान वजीरगंज क्षेत्र में एक ढाबे के सामने सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

साथ चल रहे दोस्तों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से दोनों को मेडिकल कॉलेज गोन्डा पहुंचाया,लेकिन .ष्णलाल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।मृतक के भाई जवाहरलाल ने बताया कि . ष्णलाल पांच भाइयों में चौथे नंबर पर था और चंडीगढ़ में मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता था। उसकी शादी महज 25 दिन पहले, 12 मई को बबीता के साथ हुई थी।

शादी के कुछ ही दिनों बाद हुए इस हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। पति की मौत की खबर मिलते ही पत्नी बबीता का रो–रोकर बुरा हाल है।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वजीरगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। नवविवाहित युवक की असमय मौत से परिजनों और ग्रामीणों में गहरा दुख व्याप्त है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा – सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा / सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन संतकबीर नगर, बहराइच नई रेल लाइन परियोजना के तहत विधानसभा संतकबीर नगर / बस्ती / बांसी , डुमरियागंज क्षेत्र के खेसरहा ब्लॉक स्थित वत्सा में बन रहे रेलवे स्टेशन एवं रेलवे लाइन का आज सांसद जगदंबिका पाल ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सांसद ने रेलवे अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधाओं से जुड़ी हुई है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न किए जाएं ताकि जनता को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। इसके उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि लगभग 240 किलोमीटर लंबी संतकबीर नगर से बहराइच तक की नई रेल लाइन पूर्वांचल और तराई क्षेत्र के विकास की नई इबारत लिखेगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक विकास का मजबूत आधार बनेगी। रेल लाइन के निर्माण से स्थानीय युवाओं, किसानों, व्यापारियों तथा आम नागरिकों को व्यापक लाभ प्राप्त होगा। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह नई रेल लाइन उसी संकल्प का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो क्षेत्र के लोगों के जीवन में नई खुशियां और नए अवसर लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में विकास, विश्वास और जनकल्याण की जो मजबूत नींव रखी गई है, यह रेल परियोजना उसकी एक उत्कृष्ट मिसाल है।

उन्होंने कहा कि डुमरियागंज संसदीय क्षेत्र में सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। नई रेलवे लाइन और वत्सा रेलवे स्टेशन का निर्माण क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा आने वाले समय में यह परियोजना लाखों लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र पांडेय, पूजा पाल, उपजिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती, शिवेंद्र सिंह क्षेत्राधिकारी बासी,जयंत्री मिश्रा, रमेश मणि, शिवेंद्र द्विवेदी, घनश्याम त्रिपाठी, अशोक सिंह, अमर नाथ पांडेय, प्रकाश सिंह , गुड्डू पाठक प्रिंस शर्मा, अमरेंद्र पाल, जनार्दन चौधरी, रामानंद, रामप्रसाद मौर्या,, दुर्विजय राय, शांति देवी आभा देवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

खेसरहा रेलवे स्टेशन निर्माण कार्य का सांसद जगदम्बिका पाल ने किया निरीक्षण

खेसरहा। संसदीय क्षेत्र डुमरियागंज के विकास को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से सांसद जगदम्बिका पाल ने खलीलाबाद–बहराइच रेलवे लाइन परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन खेसरहा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ निर्माण कार्य की प्रगति तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं की समीक्षा की।सांसद ने कहा कि खेसरहा रेलवे स्टेशन एवं खलीलाबाद–बहराइच रेल परियोजना क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके शुरू होने से खेसरहा सहित आसपास के गांवों और कस्बों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के क्षेत्र में भी नए अवसर सृजित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।निरीक्षण के दौरान परियोजना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों को आधुनिक आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि जनहित और क्षेत्रीय विकास के संकल्प के साथ डुमरियागंज संसदीय क्षेत्र में रेल, सड़क एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खेसरहा रेलवे स्टेशन के निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के स्वच्छता अभियान के तहत सांसद जगदंबिका पाल ने शुरू किया विशेष सफाई अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान के क्रम में आज सिद्धार्थनगर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में विशेष सफाई एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसदजगदंबिका पाल, जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा, जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या तथा नगरपालिका अध्यक्ष गोविंद माधव के नेतृत्व में मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ–सफाई की गई। सभी ने मंदिर की सफाई की तथा मंदिर के बाहर भी झाड़ू लगाकर, कूड़ा एकत्रित तथा परिसर को स्वच्छ बनाकर समाज को स्वच्छता का संदेश दिया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है तथा धार्मिक स्थलों की स्वच्छता से सकारात्मक सामाजिक संदेश जाता है। जिला प्रभारी हरिचरण कुशवाहा ने कहा कि स्वच्छ वातावरण से न केवल स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि नगर की सुंदरता एवं पहचान भी सुदृढ़ होती है। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता अभियानों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। सांसद जगदंबिका पाल ने सभी सफाई कर्मियों को अंग वस्त्र भी दिया कार्यक्रम के दौरान महामंत्री फतेबहादुर सिंह , फूलचंद घनश्याम मिश्रा, रमेश मणि,अरविंद पांडेय, हनुमंत सिंह, राजाराम, जहीर, बलवंत सिंह, राजेश जायसवाल सहित भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, नगर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए नियमित रूप से अपने आसपास साफ–सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया।

तेज आंधी–तूफान ने मचाई तबाही, पेड़ और टिनशेड गिरने से कई घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया। शनिवार की शाम तीन बजे के बाद तेज आंधी और तूफान के साथ हुई बारिश से शहर से लेकर गांव तक कोहराम मच गया। दर्जनों पेड़ उखड़ गए और कई स्थानों पर टिनशेड उड़ गए। इनके नीचे दबकर कई लोग घायल हो गए। जोगिया चौराहे पर टिनशेड वाली दुकानों का बुरा हाल हो गया। तेज हवाओं के कारण कई दुकानों के शेड उड़ गए, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा। मौसम विभाग ने पहले ही शनिवार को 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी, बादलों की गरज, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की थी। लोगों को खराब मौसम के दौरान घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई थी। शनिवार सुबह क्षेत्र में तेज धूप और गर्मी का असर था, लेकिन शाम होते–होते आसमान में बादलों का जमावड़ा शुरू हो गया। इसके बाद तेज रफ्तार से आंधी चली और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया।

तहसील समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, तीन दिन में निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप आयोजित सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के तहत शनिवार को तहसील डुमरियागंज में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में जन शिकायतों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील समाधान दिवस में राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। राजस्व संबंधी मामलों की सुनवाई जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा ने की, जबकि पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने किया। जिलाधिकारी ने पिछले तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान कुछ मामलों में तत्काल जिला स्तरीय टीम गठित कर मौके पर जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील समाधान दिवस एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जांच शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों पक्षों की उपस्थिति में कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि किसी भी विभाग का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। यदि किसी विभाग की शिकायत लंबित पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में कुल 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 35 राजस्व, 8 पुलिस, 2 विकास तथा 5 अन्य विभागों से संबंधित थे। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के 6 मामलों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को तीन दिन के भीतर शत–प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएफओ नीला एम, क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता विवेक राय, विद्युत विभाग के अधिकारी, तहसीलदार डुमरियागंज, क्षेत्र के समस्त थानाध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज हवा से पेड़ गिरा लोगो की मदद से पेड़ को काटकर हटाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार / सिद्धार्थनगर। शनिवार को तेज हवा और तेज बारिश से पेड़ गिर गया जिससे सोहास उसका मार्ग के उचहरिया गांव के पास आने जाने वाली गाड़ियों का लंबी लाइने लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ को काटकर सड़क से हटाया गया फिर जाकर पुनः रास्ता चालू हो पाया है हालांकि किसी प्रकार का क्षति नहीं हुआ है।

दो पक्षों के मारपीट मामले में चार आरोपियों को तीन-तीन वर्ष की सजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत जिला मॉनिटरिंग सेल एवं थाना खेसरहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप मारपीट और एससी / एसटी एक्ट के एक मामले में चार आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए तीन–तीन वर्ष के साधारण कारावास तथा प्रत्येक पर 6,500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को वाद संख्या 1609 / 2013, मुकदमा अपराध संख्या 21 / 2017, धारा 452, 323, 504, 506 भारतीय दंड संहिता एवं एससी / एसटी एक्ट की धारा 3(1)(10) से संबंधित मामले में फैसला सुनाया गया।

माननीय न्यायाधीश त्रिभुवन नाथ, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट, सिद्धार्थनगर ने मामले की सुनवाई के बाद अभियुक्त हनुमन्त प्रसाद, हेमन्त कुमार, हेमवती नन्दन पुत्रगण सुभाषचन्द्र तथा कुलदीप पुत्र हनुमन्त प्रसाद, निवासी सवाडाड़, थाना खेसरहा को दोषी पाते हुए धारा 323, 452 भादवि एवं एससी / एसटी एक्ट की धारा 3(1)(10) के तहत तीन–तीन वर्ष के साधारण कारावास और प्रत्येक पर 6,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी और साक्ष्यों के प्रस्तुतीकरण में जिला मॉनिटरिंग सेल, अभियोजक संतोष मिश्रा तथा थाना खेसरहा के मुख्य आरक्षी राजेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस विभाग ने इस सफलता को ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान की प्रभावी कार्यवाही का परिणाम बताया है।

महादेवा बाजार में श्री रुद्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का हुआ भव्य समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महादेवा बाजार। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महादेवा बाजार में आयोजित श्री रुद्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को पूर्णाहुति के साथ भव्य समापन हो गया। 28 मई से 5 जून तक चले इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी रही। कथा व्यास पीठ पर अयोध्या के मणि पर्वत से पधारे पूज्य बाबा विजय राघव दास जी रामायणी ने श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। उनकी दिव्य वाणी से श्रद्धालु भावविभोर होते रहे। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में स्वर्गीय श्याम नारायण पाण्डेय की धर्मपत्नी श्रीमती विद्यावती पाण्डेय ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई। अयोध्या धाम से आए आचार्य श्री ऋषभ देव शास्त्री एवं श्री शिवाकर शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ एवं पूजन कार्य संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान निकाली गई भव्य कलश यात्रा में सदर विधायक के प्रतिनिधि सत्यप्रकाश राही की विशेष उपस्थिति रही। कथा के अंतिम दिन ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुधीर पाण्डेय फरसा बाबा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन की व्यवस्थाओं एवं संचालन में रवि पाण्डेय की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम प्रधान वसीम खान, राम भरोस, ओमप्रकाश बरनवाल, विजय गुप्ता, विजय जायसवाल, अशोक वर्मा, विनोद उमरवैश्य, सनोज, डॉ. राधेश्याम गुप्ता, राजकुमार, बालाजी वस्त्रालय सहित समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों का उल्लेखनीय सहयोग रहा। पूर्णाहुति के अवसर पर श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर क्षेत्र की सुख–समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की। आयोजन के समापन पर भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सम्पादकीय

निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट...

धीमे जहर के कारोबारीरू मुनाफे के लिये मिलावट घोषित हो अपराध

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध–घी–फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं? पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी–लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन–ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे–बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों–रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत–फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत–फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन–प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच–पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन–देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन–देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए। तो ऐसे में एक्सपायरी डेट देखकर सामान खरीदने वाला आम आदमी क्या करेगा? निश्चय ही अनैतिक रूप से मुनाफा कमाने वाले लोग सख्त सजा के हकदार हैं। देश में मिलावटखोरी रोकने के लिए तुरंत सख्त कानून बनाने की जरूरत है। अन्यथा अस्पतालों में मिलावटी खाद्य पदार्थों से लीवर–किडनी खराब करवाने वाले मरीजों की लंबी कतारें हमारे समाज की हकीकत बनी रहेगी।

तिरछी नजरः बेटा अब तुमसे तो ना हो पाएगा

आपको मीम याद आ रहा है और यहां हालत यह हो रही है सेना बुलानी पड़ रही है। नहीं जी नहीं, कोई दंगा नहीं हुआ है। जब दंगे काबू से बाहर हो जाएं तो सेना बुलानी पड़ती है। यह पुरानी रवायत रही है। अब मोदी काल में दंगे नहीं होते। मतलब फुलफ्लैज्ड यानि पूरे दंगे नहीं होते। बस कभी कोई लिचिंग हो जाती है, कभी मस्जिद के सामने कोई डांस–वांस हो जाता है। वैसे ही जैसे एक होता है दो–तीन घंटे का मंचीय नाटक और फिर होते हैं स्किट या कोई छोटा–मोटा नुक्कड़ नाटक। बल्कि अब तो एक–दो मिनटवाली रीलों का ही जमाना आया है। तो बस दंगों का मामला भी वैसा ही कुछ समझ लीजिए। तो जब फुलफ्लैज्ड दंगे ही नहीं हो रहे, तो दंगों के लिए सेना भी नहीं बुलानी पड़ रही। नहीं–नहीं, कोई बाढ़ या अन्य आपदा भी नहीं आयी है। भयंकर बाढ़ या आपदा में भी सेना बुलाने का रिवाज रहा है। लेकिन अब आपदा, आपदा कहां रही जी। वह तो अवसर हो चुकी है। फिर भी सेना तो बुलानी पड़ रही है। पेपर लीक नहीं रुक रहा ना जी। वैसे तो कायदे से पेपर लीक अपना शतक पूरा कर ले, तभी सेना बुलायी जानी चाहिए। पेपर लीक को भी तो बुरा लग सकता है न जी। वैसे ही जैसे नब्बे के आसपास रन बनाकर आउट होने पर किसी क्रिकेटर को बुरा लग सकता है कि हाय मेरा शतक नहीं बन पाया। कायदे से तो हमें भरोसा रखना चाहिए कि अब पेपर लीक नहीं होगा। सेना जो आ रही है। इधर सरकार ने हथियार डाल दिए कि भाई हमसे तो लीक रुकेगा नहीं। अरे जब हम अपना शिक्षा मंत्री नहीं हटा पा रहे, जब हम परीक्षा कराने वाली एजेंसी नहीं बदल पा रहे, जब हम पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं दे पा रहे तो पेपर लीक को ही हम कैसे रोक लेंगे। तो इधर सरकार ने हथियार डाले और उधर सेना की तरफ से आश्वासन समझ लीजिए कि जैसे दंगे रोकते हैं, जैसे हम बाढ़ और आपदा में बचाव कार्य करते हैं, वैसे ही पेपर लीक भी रोकेंगे। फौजियों के लिए एक सनातन गाना है–अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो। लेकिन अब शहीद होती शिक्षा व्यवस्था फौज के लिए गा सकती है कि अब तुम्हारे हवाले यह परीक्षा साथियों। पर जब कोई शक्ति हमेशा दंगे नहीं रोक सकती, बाढ़ और आपदा नहीं रोक नहीं सकती, तो पेपर लीक भी हमेशा कैसे रोक पाएगी। जैसे दंगे फिर होने लगते हैं, जैसे बाढ़ फिर आ जाती है, वैसे ही पेपर लीक भी फिर होने लगेगा। बस डर यही है कि किसी दिन फौज को गैस सिलिंडर पंहुचाने या किसानों में खाद बांटने के काम में न लगा दिया जाए। क्योंकि इनकी व्यवस्था का मामला भी बिगड़ता ही जा रहा है।

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने

'जम्बो' जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं इसके लिए समाज और परिवारों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अनिवार्य है। विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, "जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है, जारी रखने का साहस ही मायने रखता है।" समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें...

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है। 21वीं सदी के भारत की चमक–धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा।

'जम्बोश वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइजर जैसे जाइलाजीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ–साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है। भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मनरूप्रभावी पदार्थ अधिनियम,

1985' (एन–डी–पी–एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि ध ारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालाँकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधि ात सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुनः यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है। पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते–खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा हैय क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता–पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन–डी–पी–एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर–निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है।

{ अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने की कोशिश करने और आखिरकार एक आदर्श एवं मशहूर हस्ती के तौर पर खुद को स्थापित करने के मुकाम तक एक सफल खिलाड़ी कभी यह मंजिल एक तयशुदा लीक पर चलकर पाता था। लेकिन, आज के दौर में, ऐसा रास्ता बहुत सपाट, बेमजा लगता है। यह न तो किसी को रोमांचित करता है और न ही लोगों का ध्यान खींचता है। क्रिकेट का मैदान अपने आप ... }

कैमरे की बींधती निगाहों से तंग विराट कोहली

विराट कोहली,क्रिकेट खेल की श्रेष्ठता और अधिकतम जश्न मनाने का प्रतीक, लगता है अब कैमरों की निरंतर बींधती आंख से तंग आ चुका है। आह, काश उन्हें एक पल के लिए भी उनकी लगातार पीछा करती नजरों से छुटकारा मिल पाता– नजरें जो उनकी निजी जिंदगी तक में ताका–झांकी और दखलअंदाजी करती है, यहां तक कि उनके प्रशिक्षण सत्रों तक में पीछा नहीं छोड़तीं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में, जिसमें उनकी संवेदनशील सोच और बेहतरीन वाकप्पटुता सामने आई, कोहली ने कैमरों की उन पर लगातार घूमती नजर से एक विनम्र अपील की रू 'मेहरबानी कर मुझे अकेला छोड़ दो'।

वह खिलाड़ी जो उस युग का प्रतिनिधि ात्व करता हो, जिसमें जीत मनाना वह उन्माद है जो आक्रामक, भयभीत करने वाली शारीरिक भंगिमा के जरिए पाया गया हो। कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने उनके अंतस को इतना परेशान कर डाला कि उन्हें इस प्रकार शिकायत करनी पड़ी। जब किसी खिलाड़ी की निजता में कैमरों की दखल देने वाली नजरें घुसपैठ करने लगें तो ऐसी नाराजगी होना जायज है।

जिस दौर में हम जी रहे होते हैं, उससे आकार पाते हैं। क्रिकेट के इतिहास में, जिस प्रकार इसके कप्तान खुद को दुनिया के सामने पेश किया करते थे, तो उनके बदलते व्यवहार का मामूली सा अध्ययन भी बहुत कुछ बता सकता है। आखिरकार,

हम वही बनते हैं जो कुछ हमारे अंदर भरा जाता है। इतिहास के इस पहलू की ऐसी पड़ताल जाहिर तौर पर शौकिया है, जिसकी प्रेरणा अधिकांशतः कोहली की सच्ची अपील से मिली है। सत्तर के दशक में, जब 'स्पिन के सरदार' बिशन सिंह बेदी भारत की कप्तानी कर रहे थे, उस वक्त जीत मनाने का इजहार केवल एक हल्की–सी मुस्कान और हल्की ताली बजाकर किया जाता। तब, हर जगह पीछा करने वाली कैमरों की प्रवृति अपनी शैशवास्था में थी, और लोग अपने हीरो को पहचानने के लिए ज़्यादातर छपी हुई तस्वीरों पर ही निर्भर थे। यहां तक कि सत्तर के दशक की यह सहज हल्की–सी मुस्कान भी बीते दशक के मंसूर अली खान पटौदी के भावशून्य व करीब अबूझ व्यक्तित्व से नाटकीय रूप में अलग थी। सुनील गावस्कर द्वारा व्यावहारिक दूरी बनाए रखना, कपिल देव के जमीन से जुड़े उपदेश–भारतीय कप्तानों की लंबी कतार एक ऐसे दौर से जुड़ी थी जहां प्रदर्शनबाजी कम थीय यह कैमरों की दखलअंदाजी करती नजरें धारदार होने से पहले का दौर था। आज के उलट, वह एक बदलाव का दौर था, जब जीत की अभिव्यक्ति गरिमापूर्ण और शांत तरीके से करना आम बात थीकृजो आज के दौर में किसी पुरातन युग के अवशेष जैसा है। सचिन तेंदुलकर ने संकोची और अंतर्मुखी मोहम्मद अजहरुद्दीन से कप्तानी संभाली थी और जब तक सौरव गांगुली को सौंपी, तब तक सार्वजनिक नजरों का देखने का ढंग बदलने लगा था, जो धीरे–धीरे और ज़्यादा दखल देने वाली होती जा रही थीं। कम बोलने वाले तेंदुलकर ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जहां लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखने से उनके प्रति सम्मान और भी गहरा हो जाता था। वह क्रिकेट की दुनिया के बाहर अपनी निजी जिंदगी के बारे में बहुत कम बातें बताते थेय एक बेहद निजी और एकांत पसंद व्यक्तित्व, जिसका कम बोलना उनके कद और लोकप्रियता को और भी बढ़ा देता। मीडिया से बात करने में उनकी हिचकिचाहट एक ऐसे इंसान की छवि दर्शाती थी जो उन लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करता था जिन पर उसे भरोसा न हो, फिर भी वह उन्हें नाराज न करने का पूरा ध्यान रखते थे। बींध ाने वाले कैमरे उस समय देर से आए, तब तेंदुलकर के नाम का वजन ही इतना ज़्यादा हो चुका था कि उसका बोझ सिर्फ वही उठा सकते थे। एक तरह से, उनके व्यक्तित्व का ओज आस–पास के माहौल को इतना शालीन कर देता था कि वह सबको उनकी निजता में दखल न देने की सावधानी बरतने के लिए 'मजबूर' कर दे। मुखर स्वभाव वाले सौरव गांगुली को इसकी कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचेगी, और उन्हें अपनी निजी और सार्वजनिक जिंदगी के बीच की सीमाएं मिटाने में आनंद आता था। उन्होंने विवादों का सामना किया और यहां तक कि उन्हें बनाया भी, लेकिन खुद को उनसे ज़्यादा परेशान हुए बगैर। बदलते समय में, बाहरी शोर–शराबे से खुद को बचाने के लिए 'मोटी खाल' होना जरूरी हो गया, वह 'खूबी' जिसकी कमी शायद उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ में थी। द्रविड़ तो खैर अपने शानदार रिकॉर्ड बनाने में ही पूरी तरह मग्न रहे। उनके लिए कप्तानी परेशानी का सबब थी, और इसके थकाऊ प्रबंधकीय पहलू से धीरे से दूर हट गए।

लगता है महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी सहजता से उस 'राक्षस' के खतरनाक इरादों को बूझ लिया था, जोकि कैमरा बनता जा रहा था। उन्होंने इसकी चुभती मौजूदगी को कुंद और बेअसर करने के लिए एक तरीका ईजाद कर लिया। बोलने का सधा हुआ और नपा–तुला अंदाजकृ जो अक्सर चुप्पी धारण करने के करीब होता थाकृउनकी शख्सियत का अहम हिस्सा बन गया। जो लोग किसी कहानी या विवाद की फिराक में रहते थे, मानो किसी जादू की तरह, खुद छिटक जाते। उनका कम बातूनी किंतु मिलनसार स्वभाव, जो शोर–शराबे वाले माहौल को भी चुप करवा दे, इसका बेहतरीन उदाहरण रहेगा कि बिना दुश्मन बनाए दूरी कैसे रखी जाती है। ऊंची आवाज, भावनात्मक उदगार और दबी नाराजगी के खुलकर इजहार के बाद जो कुछ आया वह कोहली की हताशा को परिभाषित करने वाला हैकृऔर आश्चर्यजनक रूप से उनके जश्न मनाने के अंदाज को भीकृ उसमें परिणति का अहसास होना बदा था।

इजरायल में बर्नर फोन, का इस्तेमाल, पेंटागन को शक– दोस्त ही कर रहा अमेरिकी Officials की जासूसी

क्या इजराइल अमेरिकी अधिकारियों की जासूसी कर रहा है? ईरान विवाद को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में पेंटागन ने इजराइली खुफिया गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी कड़ी निगरानी के निशाने पर हो सकते हैं। एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, दो मौजूदा अमेरिकी अधिकारियों और एक पूर्व अधिकारी ने खुलासा किया है कि पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने हाल ही में इजराइल के खुफिया–विरोधी खतरे के स्तर को गंभीर कर दिया है, जो उसका उच्चतम आंतरिक मूल्यांकन स्तर है। एक मौजूदा अधिकारी ने अमेरिकी प्रसारक को बताया कि अमेरिका इजराइल की यात्रा के दौरान पहले से ही अतिरिक्त सावधानी बरतता है, उन्होंने यह भी कहा कि इजरायली खुफिया एजेंसियों को लंबे समय से सूचना के विशेष रूप से आक्रामक संग्राहक के रूप में देखा जाता रहा है।

खबरों के मुताबिक, इन सावधानियों में बर्नर फोन, अस्थायी कंप्यूटर और सख्त संचार प्रोटोकॉल का इस्तेमाल शामिल है, खासकर उच्च स्तरीय दौरों के दौरान। पूर्व राजनयिकों, खुफिया अधिकारियों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी अक्सर इजरायल में रहते हुए होटल के कमरों और अन्य संभावित रूप से असुरक्षित स्थानों पर संवेदनशील मामलों पर चर्चा करने से बचते हैं। यह कदम अमेरिकी रक्षा प्रतिष्ठान के कुछ वर्गों में बढ़ती चिंता को दर्शाता है कि इजरायल मध्य पूर्व के संघर्षों पर ट्रंप प्रशासन की आंतरिक चर्चाओं के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए आक्रामक रूप से प्रयास कर रहा है। ईरान के साथ युद्ध की भावी दिशा को लेकर ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बढ़ते मतभेदों के मद्देनजर हाल के हफ्तों में यह आकलन जारी किया गया था। मामले से परिचित अधिकारियों ने एनबीसी न्यूज को बताया कि डीआईए ने एक आंतरिक नोटिस जारी किया, जिसके साथ सात पृष्ठों का एक आकलन दस्तावेज भी था, जिसमें इजरायल की खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमताओं के बारे में चिंताएं व्यक्त की गई थीं। एक अधिकारी के अनुसार, रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इजराइल की मानव जासूसी और तकनीकी खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमता गंभीर स्तर पर है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस दस्तावेज में कई ऐसी घटनाओं का विवरण है जिनसे चिंता और बढ़ गई है, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि उन्हें किसी ऐसी घटना की जानकारी नहीं है जिसने सीधे तौर पर इस निर्णय को प्रभावित किया हो। इस आकलन का व्यावहारिक प्रभाव सबसे पहले इजराइल की यात्रा करने वाले या इजराइली समकक्षों के साथ बातचीत करने वाले अमेरिकी कर्मियों पर पड़ने की संभावना है। वर्तमान और पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी अतिरिक्त सुरक्षा सावधानियां बरत सकते हैं, हालांकि दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करना अप्रभावित रहेगा। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के रक्षा और सुरक्षा विभाग की उपाध्यक्ष एमिली हार्डिंग ने इजराइल के खुफिया तंत्र को ष्अत्यधिक आक्रामकष बताया। एनबीसी न्यूज ने हार्डिंग के हवाले से कहा कि वे हमारी गतिविधियों में बेहद दिलचस्पी रखते हैं।

विकसित भारत @2047 का मिशन, दिल्ली में माय भारत युवा सम्मेलन, 6000 युवा नेता होंगे शामिल

खेल और युवा कार्य मंत्रालय का 'माय भारत युवा सम्मेलन' शनिवार को यहां आयोजित किया जायेगा जिसमें ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी फर्राटा धावक गुरिंदरवीर सिंह समेत खेल जगत के कई सितारे भाग लेंगे। मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार त्यागराज स्टेडियम में होने वाले इस सम्मेलन में देश के 6000 से अधिक युवा भाग लेंगे। इनमें छात्र, युवा पेशेवर, उद्यमी, कंटेंट क्रिएटर्स शामिल होंगे। इस दौरान खेल, उद्यमिता, प्रशासन और कंटेंट क्रिएशन से जुड़ी उदीयमान प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जायेगा। विज्ञप्ति के अनुसार यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रमुख शक्ति के रूप में सशक्त बनाना है। इस अवसर पर देश के सबसे तेज धावक माने जाने वाले गुरिंदरवीर सिंह, बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी, बोट के सह–संस्थापक एवं मुख्य विपणन अधिकारी अमन गुप्ता, ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत, तथा यूपीएससी सफल प्रतिभागी और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर मल्हार कलाम्बे एवं आरजे रौनक युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान एमवाई भारत को हाल ही में प्राप्त अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि का भी उत्सव मनाया जाएगा। संगठन को एक सप्ताह में सर्वाधिक लोगों द्वारा 'ऑनलाइन क्विज' में भागीदारी के लिए गिनीज विश्व रिकॉर्ड से मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद (वीबीवाईएलडी) क्विज के माध्यम से हासिल की गई। इस अभियान में देश के सभी 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों से 50 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, जबकि 3,90,812 प्रतिभागियों ने निर्धारित अवधि में 'क्विज' सफलतापूर्वक पूर्ण कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। विज्ञप्ति के अनुसार, यह उपलब्धि 'विकसित भारत @2047' की दिशा में युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी को दर्शाती है तथा राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति के प्रति बढ़ते विश्वास को भी रेखांकित करती है। अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मेलन विकसित, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में युवाओं की आकांक्षाओं और क्षमताओं का उत्सव होगा तथा देशभर के युवा परिवर्तनकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा।

भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का ऐलान : सूर्यकुमार यादव टीम से बाहर, श्रेयस अय्यर बने नए T20I कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंग्लैंड और आयरलैंड के आगामी दौरों के लिए भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसने क्रिकेट जगत में खलबली मचा दी है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने बड़े और कड़े फैसले लेते हुए एक नए युग की शुरुआत का संकेत दिया है। स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय ज20ष टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे सूर्यकुमार यादव को न सिर्फ कप्तानी से हाथ धोना पड़ा है, बल्कि उन्हें टी20 सेटअप से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इस स्क्वाड की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का चयन है, जिन्हें पहली बार सीनियर भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

श्रेयस को कप्तानी क्यों और सूर्या पर क्यों गिरी गाज?

अजीत अगरकर का बड़ा खुलासा प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और देवजीत सैकिया ने मीडिया के सामने आकर इन फैसलों के पीछे की रणनीति साफ की। सूर्यकुमार यादव को अचानक हटाए जाने और श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपने पर अगरकर ने कहारू अगर श्रेयस की बात करें, तो पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न आईपीएल फ्रेंचाइजी की कप्तानी करते हुए उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को खिताब भी जिताया है और उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी लाजवाब रहा है। वे टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा बनने के बेहद करीब थे और हमारी नजर में कप्तानी के लिए वे श्बेहतरीन उम्मीदवारश हैं।ष

सूर्या को हटाने पर बोले अगरकरः स्काई (SKY) को लेकर फैसला लेना हमारे लिए काफी मुश्किल था। लेकिन उनकी हालिया फॉर्म और अगले दो साल के टी20 चक्र को ध्यान में रखते हुए, चयन समिति को लगा कि आगे बढ़ने का यही सबसे सही तरीका है। श्रेयस इस जिम्मेदारी के हकदार हैं।ष इस नए सेटअप में श्रेयस अय्यर के साथ युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को टीम का उप–कप्तान (डिप्टी) बनाया गया है।

एशियाई खेलों के लिए भी मजबूत टीम, बुमराह की एंट्री

बीसीसीआई ने इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के साथ–साथ आगामी एशियाई खेलों के लिए भी एक बेहद मजबूत भारतीय टीम की घोषणा की है। इस महाद्वीप टूर्नामेंट के लिए भी श्रेयस अय्यर ही टीम की कप्तानी संभालेंगे। सबसे दिलचस्प बात यह है कि एशियाई खेलों के स्क्वाड में भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल किया गया है, जो विरोधी टीमों के लिए बड़ा खतरा साबित होंगे।

पहली बार सीनियर टीम में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

बिहार के युवा खब्बू बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा किसी सपने के सच होने जैसा है। घरेलू क्रिकेट और अंडर–19 में अपनी धाक जमाने वाले वैभव को पहली बार सीनियर भारतीय टीम के मुख्य स्क्वाड में जगह मिली है। वे इंग्लैंड और आयरलैंड की तेज और उछाल भरी पिचों पर भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करते नजर आ सकते हैं।

स्ट्राइक–रेट 163, रन 732; फिर भी शुभमन गिल की अनदेखी पर उठे सवाल

इस चयन में जहां श्रेयस और वैभव को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, वहीं आईपीएल 2026 में रनों का अंबार लगाने वाले शुभमन गिल की अनदेखी ने सबको हैरान कर दिया है। गुजरात टाइटंस (ळज) के कप्तान शुभमन गिल ने आईपीएल 2026 में 163.03 के तूफानी स्ट्राइक–रेट से 732 रन कूटे थे। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने पूर्व टी20 उप–कप्तान गिल के नाम पर कोई चर्चा नहीं की। क्रिकेट गलियारों में अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या गिल के लिए भारत के टी20ष सेटअप में वापसी के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं?

पीएम मोदी ने प्रग्नानंद की नॉर्वे शतरंज जीत को बताया अविश्वसनीय उपलब्धि, बढ़ाया हौसला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आर प्रग्नानंद को नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी और इसे एक उल्लेखनीय उपलब्धि तथा युवा ग्रैंडमास्टर के करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने वैश्विक मंच पर प्रग्नानंद की निरंतर उत्कृष्टता की प्रशंसा की और भविष्य में और भी अधिक सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। ओस्लो में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रग्नानंद ने प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता जीतकर भारतीय शतरंज के इतिहास में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। वे ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने। मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए प्रग्नानंद को बधाई! यह वास्तव में एक अविश्वसनीय मील का पत्थर है जो उनकी निरंतर उत्कृष्टता को दर्शाता है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने भी प्रग्नानंद को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी और इसे तमिलनाडु और भारत के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट में प्रग्नानंद के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए विश्व चौंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार हराने और लगातार चार जीत हासिल करने की उनकी उपलब्धि का विशेष रूप से उल्लेख किया। विजय ने एक पोस्ट में लिखा कि ग्रैंडमास्टर आर प्रग्नानंद को हार्दिक बधाई, जिन्होंने नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में आयोजित नॉर्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपने शानदार और बुद्धिमत्तापूर्ण प्रदर्शन से मौजूदा चौंपियन मैग्नस कार्लसन को दो बार हराकर लगातार चार जीत हासिल की हैं। मैं ग्रैंडमास्टर प्रग्नानंद को शुभकामनाएं देता हूं, जिन्होंने तमिलनाडु और भारत दोनों को गौरवान्वित किया है, और भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने के लिए उनकी सराहना करता हूं। 20 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर अंतिम दौर में जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे प्रभावशाली वापसी में से एक को अंजाम दिया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन, मौजूदा विश्व चौंपियन डी गुकेश, अलीरेजा फिरोजजा, वेस्ली सो और विंसेंट कीमर शामिल थे, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर के सबसे मजबूत आयोजनों में से एक बन गया।

ब्रिटेन में छात्र हेनरी नोवाक की हत्या पर सियासी भूचाल,जेडी वैंस के बयान पर भड़का यूके

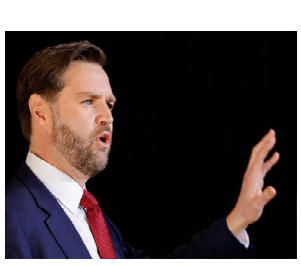

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने 18 वर्षीय छात्र की हत्या को सामूहिक प्रवासन के परिणामों से जोड़कर ब्रिटेन के साथ विवाद खड़ा कर दिया है, जिसके चलते ब्रिटेन सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हाल के दिनों में इस मामले ने काफी ध्यान आकर्षित किया है, खासकर आप्रवासन विरोधी कार्यकर्ताओं और दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के बीच। वेंस ने एक्स पर लिखा कि हेनरी नोवाक की मृत्यु उसी तरह हुई जैसे एक सभ्यता का अंत होता हैरू परित्यक्त, उन अधिकारियों द्वारा हथकड़ी पहनाई गई जिन्होंने न तो उस पर भरोसा किया और न ही उसकी परवाह की, और उस पर ऐसे घृणास्पद अपराधों का आरोप लगाया गया जो उसने नहीं किए थे। उन्होंने आगे कहा कि उनकी हत्या जितनी दुखद है, उतनी ही आक्रोशजनक भी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने आगे तर्क दिया कि इस मामले से जुड़े हालात व्यापक सामाजिक विफलताओं को दर्शाते हैं और उन्होंने इसके जवाब में ष्न्यायपूर्ण आक्रोशष का आह्वान किया। 23 वर्षीय डिगवा को इस सप्ताह हत्या का दोषी ठहराया गया और उसे कम से कम 21 वर्ष की कैद के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। हमले के बाद, डिगवा ने पुलिस को झूठा बताया कि उसके साथ नस्लीय दुर्व्यवहार हुआ था और वह इस घटना का शिकार था। अधिकारियों ने शुरू में घायल नोवाक को संदिग्ध मानकर उसका इलाज किया, लेकिन बाद में पता चला कि उसे जानलेवा चाकू का घाव लगा था और उन्होंने उसकी जान बचाने की कोशिश की। दिगवा ने हमले में आठ इंच के सिख खंजर का इस्तेमाल किया था। कुछ समूहों द्वारा इस मामले को नस्ल और प्रवासन के नजरिए से पेश करने के प्रयासों के बावजूद, नोवाक और दिगवा दोनों ब्रिटिश नागरिक थे। वेंस ने फिर भी इस हत्या को आप्रवासन से जोड़ा और लिखा कि हेनरी आज भी जीवित होना चाहिए था, और वह होता अगर यूरोपीय अभिजात वर्ग की पिछली कुछ पीढ़ियों ने आत्म–घृणा की राजनीति और प्रवासियों के बड़े पैमाने पर आक्रमण के खिलाफ अपना रुख बनाए रखा होता, जिनमें से कई पश्चिम और उससे प्यार करने वाले लोगों से नफरत करते हैं। हेनरी पहले ऐसे व्यक्ति नहीं थे जिन्होंने इतनी बेवजह अपनी जान गंवाई, और मुझे डर है कि वह आखिरी भी नहीं होंगे। उनके इस बयान पर डाउनिंग स्ट्रीट ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए बाहरी ताकतों पर एक बेहद संवेदनशील मामले को लेकर तनाव भड़काने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के प्रवक्ता ने कहा, "हमने देखा है कि लोग हमारे लोकतंत्र में दखलंदाजी करने और हमारी सड़कों पर फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि हेनरी की मौत के बाद पीड़ित परिवार ने संयम और एकता बनाए रखने की अपील की है। बयान में कहा गया है कि परिवार नहीं चाहता कि इस हत्या का इस्तेमाल "और अधिक फूट, नफरत या तनाव पैदा करने के लिए किया जाए।

अफगानिस्तान वनडे श्रृंखला : विराट कोहली बाहर, उनकी जगह यशस्वी जायसवाल लेंगे

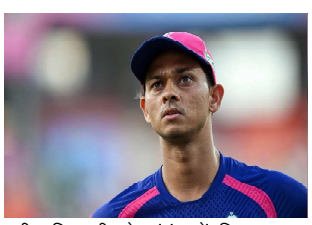

भारत के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली पिछले महीने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2026 अभियान के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। यशस्वी जायसवाल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने संकेत दिया कि कोहली 14 जुलाई से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अगली वनडे श्रृंखला के लिए फिट हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि फिजियोथेरेपिस्टों के पास उनकी रिकवरी के संबंध में फिलहाल कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं है।

बीसीसीआई ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि बीसीसीआई के माननीय सचिव श्री देवजीत सैकिया ने सूचित किया है कि घायल विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल भारत बनाम अफगानिस्तान वनडे सीरीज में खेलेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में तीन मैच खेले जाएंगे, जो 13 जून से शुरू होगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच न्यू चंडीगढ़ में एक टेस्ट मैच खेला जाएगा। कोहली की चोट के बारे में अगरकर ने कहा कि विराट को फ्स फाइनल में चोट लगे अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ है। अभी तक हमें ठीक होने में कितना समय लगेगा, यह पता नहीं है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए फिट हो सकते हैं। यह कोई पक्की बात नहीं है, इसलिए इस पर पूरी तरह भरोसा न करें। फिजियो ने भी अभी तक ठीक होने की कोई पक्की जानकारी नहीं दी है। टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलने वाले कोहली आखिरी बार जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेले थे। उन्होंने फ्स में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 16 पारियों में 675 रन बनाकर टॉप स्कोरर का खिताब अपने नाम किया। उनका औसत 56.25 और स्ट्राइक रेट 165.84 रहा, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका उच्चतम स्कोर 105 रन नाबाद था।

रियल वर्ल्ड में जियो...ट्रंप के खामनेई से मिलने की बात पर बोला ईरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के साथ संभावित बैठक के बारे में की गई टिप्पणियों को खारिज करते हुए कहा कि इस मुद्दे को यथार्थवादी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अरघची ने कहा कि मैंने एक रिपोर्ट देखी जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि ट्रंप ने कहा कि वह बैठक के लिए तैयार हैं या बैठक करना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि हमें यथार्थवादी होना चाहिए और वास्तविक दुनिया में सोचना और जीना चाहिए। ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अगर तेहरान के साथ समझौता हो पाता है तो वे ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे ष्सम्मानितष और ष्आदरपूर्णष महसूस करेंगे, हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वे उनके पसंदीदा व्यक्ति नहीं हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं उनसे मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात हुई तो मुझे उनसे मिलकर गर्व होगा। मैं देखना चाहूंगा कि क्या कोई समझौता हो पाता है, लेकिन अगर समझौता हो जाता है तो संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं होगी। मैंने इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं सुना है। मैंने (बैठक का) सुझाव नहीं दिया था, लेकिन कुछ लोगों ने दिया है। अगर ऐसा हुआ तो हो जाएगा। मैं सम्मानपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं यह कहूँगा कि मैं उनका पसंदीदा व्यक्ति नहीं हूँ, लेकिन फिर भी, वे शायद एक पेशेवर हैं। दरअसल, कुछ हलकों में उनकी बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है।

अमेरिका–ईरान युद्ध में क्या हो रहा है?: ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को कम करके आंका, जिसके चलते 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद से पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि लोगों को लग रहा था कि हालात और भी बदतर होंगे। आज मैंने 96 डॉलर प्रति बैरल देखा, लोगों को लग रहा था कि यह 300 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा। अराघची ने शुक्रवार को कहा कि बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है, हालांकि दोनों पक्ष मध्यस्थों के माध्यम से संदेशों का आदान–प्रदान जारी रखे हुए हैं।

इस बीच, ब्लूमबर्ग द्वारा

मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम में किसानों को दी गई बैंकिंग योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

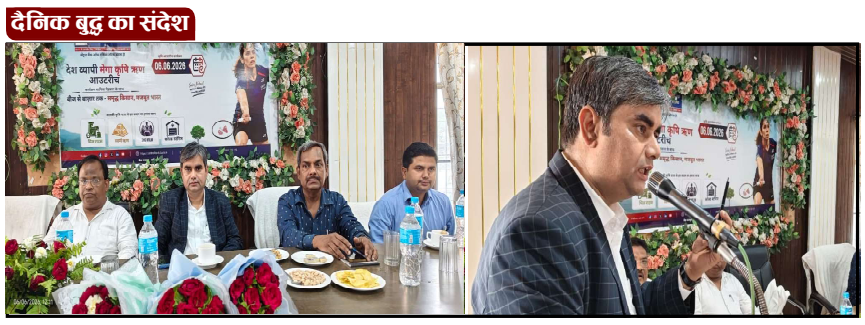

सिद्धार्थनगर। देशव्यापी मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम के तहत शनिवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जनपद शाखा के तत्वावधान में विकासखंड नौगढ़ सभागार में ग्राहक संपर्क एवं व्यवसाय संवर्धन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण उद्यमियों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अयोध्या क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख अमरीश सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बैंक की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर किसान कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह कार्यक्रम बैंक और किसानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल है। बीज से बाजार तक समृद्ध किसान, मजबूत भारत थीम पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को मिल राइस यूनिट, स्वर्ण ऋण, स्वयं सहायता समूह – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविकामिशन (एसएचजी – एनआरएलएम), कोल्ड स्टोरेज सहित विभिन्न कृषि एवं स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों ने बैंक अधिकारियों से योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा ऋण सुविधाओं से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कराया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक विमल वर्मा, मार्केटिंग अधिकारी शैलेश पाण्डेय, सिद्धार्थनगर क्षेत्र प्रमुख अतिकान्त त्रिपाठी, शाखा प्रबंधक अभिषेक शर्मा, बांसी शाखा प्रबंधक शानक गुप्ता, इटवा शाखा प्रबंधक अनंग कुमार उपाध्याय, कृषि वित्त अधिकारी राधेश्याम वर्मा, शुभम श्रीवास्तव सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

करही-कुर्थिया सड़क में बने गड्ढों में जलजमाव , मरम्मत न होने से बढ़ी परेशानी

दैनिक बुद्ध का संदेश /सुषमा मिश्रा

सिद्धार्थनगर। बांसी। एनएच – 28 बांसी – बस्ती मार्ग (एलडी रोड) से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित कुर्थिया चौराहे को जोड़ने वाले करही – कुर्थिया मार्ग पर निर्माण के महज छह माह बाद ही खामियां दिखाई देने लगी हैं। शुरुआत में निर्माण कंपनी द्वारा सड़क की दरारों की मरम्मत कराई गई, लेकिन बाद में सड़क पर बने गड्ढों और अन्य समस्याओं की अनदेखी किए जाने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ रही है।दैनिक बुद्ध का संदेश के संवाददाता के अनुसार, करही वाया कुर्थिया – बेलौहा मार्ग ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस सड़क से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। करही चौराहे से बेलौहा बाजार, मेंहदावल, खलीलाबाद और गोरखपुर जाने के लिए यह एक प्रमुख और सुगम मार्ग माना जाता है। सड़क बनने से पहले लोगों को बांसी होकर लंबा सफर तय करना पड़ता था, लेकिन इस मार्ग के निर्माण के बाद यात्रा काफी आसान हो गई थी।ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले छह माह से सड़क पर बने गड्ढों की मरम्मत नहीं कराई गई है। कुर्थिया चौराहे से पहले इफको खाद की दुकान, मौर्या किराना स्टोर तथा तुरसिया गांव के पूर्व प्रधान के मकान के सामने सड़क पर बने गड्ढों में हल्की बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।इसके अलावा हर्रैया द्वितीय गांव के मोड़ के पूर्व दिशा में सड़क पर बना बड़ा गड्ढा दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया।जानकारी के अनुसार, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की देखरेख में मेसर्स भारद्वाज यूनिविल्ड प्राइवेट लिमिटेड

द्वारा वर्ष 2024 के अंत में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माण के कुछ समय बाद सड़क में दरारें पड़ने पर मरम्मत कराई गई थी, लेकिन वर्तमान में बने गड्ढों को कंपनी ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है।क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और कार्यदायी संस्था से सड़क की शीघ्र मरम्मत कराने तथा जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बांसी ब्लाक में भ्रष्टाचार का माहौल, विकास कार्यों में लाखों रुपये के गोलमाल का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश /सुषमा मिश्रा

सिद्धार्थनगर/बांसी। केंद्र और प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोप विकास योजनाओं की हकीकत उजागर कर रहे हैं। बांसी ब्लॉक के ग्राम पंचायत भड़ही उर्फ मिश्रौलिया में विकास कार्यों के नाम पर लाखों रुपये के भुगतान में अनियमितताओं का मामला सामने आया है।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों ने प्रशासनिक मद, हैंडपंप मरम्मत, स्वच्छता सामग्री और स्ट्रीट लाइट जैसी योजनाओं में

प्रशासनिक मद, हैंडपंप मरम्मत और स्वच्छता सामग्री के नाम पर हुआ लाखों का भुगतान, फिर भी बदहाल हैं पंचायत भवन, आरआरसी सेंटर और सामुदायिक शौचालय

भारी धनराशि खर्च दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। सूत्रों के अनुसार बीते पांच वर्षों में स्वच्छता सामग्री पर 3,49,086 रुपये, प्रशासनिक मद में 1,26,550 रुपये, हैंडपंप मरम्मत एवं रीबोर के नाम पर 3,09,056 रुपये तथा स्ट्रीट लाइट मद में 2,75,864 रुपये का भुगतान किया गया है। इसके बावजूद गांव में विकास कार्यों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। ग्रामीणों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि पंचायत भवन, उससे संबद्ध शौचालय, आरआरसी सेंटर और सामुदायिक शौचालय आज भी बदहाल अवस्था में हैं। उनका कहना है कि इन परिसंपत्तियों के रखरखाव और मरम्मत के नाम पर कई बार भुगतान किया गया, लेकिन धरातल पर अपेक्षित कार्य दिखाई नहीं देते।ग्रामीणों के अनुसार कुछ कार्य केवल औपचारिकता निभाने के लिए कराए गए, जबकि अधिकांश धनराशि का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच सका। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी धन सचिव, प्रधान और कंसल्टिंग इंजीनियर के लिए कमाई का जरिया बन गया है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्री रूद्र महायज्ञ व रामलीला का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को बाबा भद्रेश्वर नाथ धाम में आयोजित श्री

श्री 1008 रूद्र महायज्ञ, संगीतमयी श्रीराम कथा एवं आदर्श रामलीला के शुभारंभ अवसर पर डारीडीहा चौराहा स्थित माता मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने गाजे–बाजे, डीजे और धार्मिक भजनों के साथ उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया।कलश यात्रा में रथ पर विराजमान शिव–पार्वती स्वरूप की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालु धार्मिक गीत गाते हुए बाबा भद्रेश्वर नाथ धाम के निकट कुआनो नदी तट पहुंचे, जहां से पवित्र जल भरकर यज्ञ स्थल पर लाया गया। इसके बाद मंदिर परिसर स्थित यज्ञ कुण्ड में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुआ।आयोजक गिरिराज गिरी एवं व्यवस्थापक प्रतीक मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नौ दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीराम कथा, रूद्र महायज्ञ एवं आदर्श रामलीला का प्रतिदिन आयोजन किया जाएगा।कलश यात्रा में मुख्य यजमान विजय पाण्डेय अपनी धर्मपत्नी के साथ शामिल हुए। इसके अलावा संजय, राम प्रकाश, सूरज, गिरी बाबा, सुनीता, दीपा, जया, दीपमाला, मानसी, सावित्री, स्तुति, हेमन्त सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

नकली किन्नर बनकर नेग मांगने पहुंची महिला को असली किन्नरों ने घेरा, हुआ हंगामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचरा। थाना क्षेत्र के स्वाबापुर तिवारी गांव में एक शादी समारोह के दौरान किन्नर बनकर नेग मांगने पहुंची महिला को लेकर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पहुंचे असली किन्नरों ने महिला पर फर्जी तरीके से किन्नर बनकर नेग वसूलने का आरोप लगाया।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी राजू गौतम के पुत्र का विवाह 28 मई को हुआ था। शुक्रवार दोपहर एक महिला स्कूटी से गांव पहुंची और नवविवाहित परिवार से नेग मांगने लगी। इसी बीच क्षेत्र के किन्नरों को इसकी सूचना मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंच गए।किन्नरों ने महिला की पहचान को लेकर सवाल उठाते हुए उसे नकली किन्नर बताया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान मारपीट भी हुई। बीच–बचाव करने पहुंची एक ग्रामीण महिला के साथ भी धक्का–मुक्की होने की बात सामने आई है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाने पर मामला शांत हो गया। पुलिस ने संबंधित लोगों से पूछताछ कर आवश्यक कार्रवाई की।इस घटना को लेकर क्षेत्र में काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा।

जनगणना कार्य में धीमी प्रगति पर 31 पर्यवेक्षकों को नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। जनगणना कार्य की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार बांसी पीयूष श्रीवास्तव ने 31 पर्यवेक्षकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। समीक्षा में कई क्षेत्रों में जनगणना कार्य की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई।तहसीलदार ने समीक्षा बैठक में खराब प्रदर्शन करने वाले पर्यवेक्षकों को चेतावनी देते हुए निर्धारित समय में कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यक होने पर जनगणना अधिनियम 1948 के तहत कार्रवाई भी की जा सकती है।नोटिस प्राप्त करने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि जनगणना एवं मकान सूचीकरण का कार्य प्रगणकों द्वारा एकत्रित सूचनाओं के आधार पर किया जाता है। प्रगणक सूचनाओं को मोबाइल एप पर अपलोड करते हैं, जिसके सत्यापन और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी पर्यवेक्षकों की होती है।तहसील प्रशासन ने सभी संबंधित कर्मियों को जनगणना कार्य में तेजी लाने और समयबद्ध ढंग से लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

बाढ़ सुरक्षा कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार से समझौता नहीं: जिलाधिकारी

कुशीनगर। आगामी मानसून एवं संभावित बाढ़ के मद्देनजर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 6 जून दिन शनिवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने खड्डा तहसील क्षेत्र के छितौनी तटबंधा का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं एवं कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान मौके पर चल रहे कार्य में ढिलाई बरते जाने पर सम्बन्धित को कड़ी चेतावनी देते हुए सभी कार्यों को 20 जून तक पूरा कर लिए जाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तटबंधा क्षेत्र में स्थित ठोकर संख्या 8.650 एवं 12.700 वीरभार पर संचालित मरम्मत, सुदृढ़ीकरण तथा कटान–रोधी कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने तटबंध की सुरक्षा, मजबूती एवं बाढ़ से बचाव के लिए किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि तटबंध के संवेदन शील एवं कटान प्रभावित स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा सभी सुरक्षात्मक कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। इसलिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी एवं समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ चौकियों की स्थापना, राहत एवं बचाव सामग्री की उपलब्धता, नावों की व्यवस्था तथा आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई हेतु की गई तैयारियों की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों को पूर्व से ही उपलब्ध एवं क्रिया शील स्थिति में रखा जाए। संबंधित अधिकारियों ने जिलाधिकारी को तटबंध की वर्तमान स्थिति तथा चल रहे सुरक्षा कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रैट होल तथा तटबंध पर किए जा रहे रेंकट सुरक्षा कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद प्रशासन संभावित बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्णतया तैयार है तथा आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को सतर्कता बढ़ाने एवं निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता महेश कुमार सिंह, उप खंड अधिकारी, एसडीओ मनोरंजन कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी खडडा, सिंचाई विभाग एवं तहसील प्रशासन के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

30 टन गेहूं लेकर फरार होने के मामले में चालक व सहचालक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर पुलिस और एसओजी टीम की संयुक्त कार्रवाई में 30 टन गेहूं लेकर फरार होने के मामले का खुलासा करते हुए ट्रक चालक और सहचालक को गिरतार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों को बिस्कोहर–बलरामपुर बॉर्डर क्षेत्र से पकड़ा तथा गेहूं बिक्री की रकम भी बरामद की है।पुलिस के अनुसार, एफसीआई डिपो बखिरा के ठेकेदार विष्णुपुर निवासी रत्नेश्वर उपाध्याय ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 20 मई को बलरामपुर गल्ला मंडी से लगभग 30 टन गेहूं ट्रक पर लादकर गोण्डा भेजा गया था। चालक अनिल यादव व सहचालक सुग्रीव यादव माल लेकर निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे और मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए थे।मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान दोनों आरोपियों को गिरतार कर उनके कब्जे से गेहूं बिक्री की रकम बरामद की गई। गिरतार आरोपी आजमगढ़ जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं।पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

खेत की जुताई के दौरान चाकूबाजी, चार घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर। इटवामुजफर थाना क्षेत्र के परसा मुबारक गांव में खेत की जुताई के दौरान हुए विवाद में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। हमले में चार लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सुलेमान अपने पिता फहीउल्लाह के साथ खेत की जुताई करा रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें सुलेमान, उनके चाचा तथा अन्य लोग घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेंवा पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल फहीउल्लाह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि खेत में जुताई के दौरान कुछ लोगों ने पहुंचकर मारपीट शुरू कर दी और चाकू से हमला कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

एसडीएम से शिकायत के बाद लेखपाल राधेश्याम की बदले की कार्रवाई? डीएम के दरबार मे पहुंचे ग्रामीण

कुशीनगर,। जनपद के कसया तहसील के लेखपाल राधेश्याम सिंह अपने कारगुजारियों को लेकर एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। ग्राम सभा रहसु जनूबी पट्टी के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि लेखपाल की कार्यप्रणाली के खिलाफ आवाज उठाने और एसडीएम से शिकायत करने का खामियाजा उन्हें फर्जी मुकदमे के रूप में भुगतना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से एक ही जगह जमे लेखपाल के खिलाफ शिकायत करना उन्हें महंगा पड़ गया। उनकी शिकायत की जांच होने से पहले ही लेखपाल ने शिकायतकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज करा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि चौरा खास थाने में 14 मई 2026 को दर्ज मुकदमा संख्या 89/26 पूरी तरह मनगढ़ंत, द्वेषपूर्ण और प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि लेखपाल राधेश्याम सिंह ने दबंगो के साथ मिलकर गरीब परिवारों को निशाना बनाया और गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिये गये पत्र में कहा है कि लेखपाल राधेश्याम सिंह का स्थानांतरण 25 जून 2025 को हो चुका था, लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी वह अपने रसूख के दम पर कसया तहसील में ही जमे हुए हैं। इतना ही नहीं उनकी बेटी व दमाद भी लंबे समय से कसया तहसील क्षेत्र में तैनात है जो उनके ऊची पहुंच का एक उदाहरण है। ग्रामीणो का आरोप है कि लेखपाल की बेटी लेखपाल है किन्तु कभी भी क्षेत्र मे नही जाती है। इतना ही नही आईजीआरएस का रिपोर्ट खुद लेखपाल राधेश्याम सिंह लगाकर बेटी का हस्ताक्षर बनाते है। जिसकी निष्पक्ष जांच करा दी जाये तो दूध का दूध, पानी का पानी साफ हो जायेगा। इनसेट—— जांच टीम से बाहर थे, फिर भी मौके पर क्यों पहुंचे?—— शिकायत में यह भी कहा गया है कि 6 अप्रैल 2026 को एसडीएम कसया द्वारा गठित जांच टीम में राधेश्याम सिंह का नाम शामिल नहीं था। इसके बावजूद वह मौके पर पहुंचे और कथित कब्जाधारियों के साथ मिलकर जांच को प्रभावित करने का प्रयास करते रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल राधेश्याम सिंह द्वारा विपक्षी के पक्ष मे हस्तक्षेप करने के कारण विरोध होने लगा जिसके वजह से जांच टीम बिना समुचित जांच किए लौट गई और बाद में अधूरी व संदिग्ध रिपोर्ट तैयार कर एसडीएम को सौप दी। ग्रामवासियों का कहना है कि सरकारी कर्मचारी के खिलाफ शिकायत करना उनका संवैधानिक अधिकार है, लेकिन यदि शिकायतकर्ताओं पर ही मुकदमे लाद दिए जाएं यह कहा का न्याय है? आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे?।

फीस वृद्धि पर अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन द्वारा शासकीय अधिवक्ताओं के आवेदन शुल्क (रिटेनर फीस) और वस्त्र शुल्क में वृद्धि किए जाने पर अधिवक्ताओं में खुशी की लहर है। अधिवक्ताओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है।जिला शासकीय अधिवक्ता (आपराधिक) एपीसी शुभ कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसे शासन ने स्वीकार कर अधिवक्ताओं को बड़ी राहत दी है।उन्होंने बताया कि शासकीय अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह निर्णय न्यायिक व्यवस्था से जुड़े अधिवक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे अधिवक्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक प्रभावी ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।इस अवसर पर कई शासकीय अधिवक्ताओं ने शासन के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे अधिवक्ता हित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया।

गांव–गांव पहुंच रही सरकार, ग्रामीणों की समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान : राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांवों तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से आयोजित ग्राम चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।शनिवार को जनपद सोनभद्र के कुंदरी ग्राम में आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मंत्री ने यह बात कही। कार्यक्रम में चर्चित गौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करना रहा।इस दौरान मंत्री ने अन्नपूर्णा भवन प्रेरणा शॉप का फीता काटकर उद्घाटन किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया तथा छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार–प्रसार करेगा।मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति और लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।सरकार आपके द्वार अभियान के अंतर्गत आयोजित ग्राम चौपाल में मंत्री एवं जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, विद्युत, आवास, पेंशन तथा अन्य विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं और सुझाव प्रस्तुत किए।राज्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

दहेज उत्पीड़न एवं पत्नी की संदिग्ध मौत मामले में पति गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना ओबरा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न एवं पत्नी की संदिग्ध मृत्यु के मामले का सफल अनावरण करते हुए वांछित पति को गिरतार कर लिया है।पुलिस के अनुसार, 5 जून 2026 को सम्पतिया देवी निवासी वेलगढ़ी टोला घोड़ाघाट, थाना जुगैल ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री इन्द्रावती का विवाह मार्च 2023 में लाल जी गोंड निवासी पनारी टोला फफराकुंड, थाना ओबरा के साथ हुआ था। विवाह के बाद से दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। 5 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मृत्यु हो गई।तहरीर के आधार पर थाना ओबरा में धारा 80(2), 85 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 6 जून को मुखबिर की सूचना पर अरंगी तिराहे से आरोपी पति लाल जी गोंड को गिरतार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की गई।

चोरी की घटना का खुलासा, दो महिलाएं गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना चोपन पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो महिलाओं को गिरतार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत 6 जून को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कोठा टोला से दो महिलाओं को गिरतार किया गया। उनके कब्जे से 03 स्टार्टर एवं 01 मिनी ट्रांसफार्मर बरामद हुआ।यह कार्रवाई थाना चोपन में दर्ज मुकदमा संख्या 218/2026, धारा 303(2) बीएनएस के संबंध में की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। गिरतार अभियुक्ताओं ने बरामद सामान को चोरी का होना स्वीकार किया है।पुलिस ने दोनों महिलाओं को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

मृतक धनराज के घर पहुंचे डीएम–एसपी का ग्रामीणों ने किया विरोध, पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला (बलरामपुर)। अहिरौला गांव में मृतक धनराज मौर्य के घर घटना के 11वें दिन पहुंचे जिलाधिकारी नितिन जैन और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को ग्रामीणों और परिजनों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने दोनों थानों के प्रभारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।परिजनों ने आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। मृतक की माता पार्वती देवी को शासन की ओर से तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक देने में भी करीब एक घंटे का समय लगा, क्योंकि परिजन पहले चेक लेने को तैयार नहीं थे।ग्रामीणों और महिलाओं ने पुलिस प्रशासन कार्रवाई, संबंधित पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई, आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने तथा गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की। मृतक के भाई राजू मौर्य ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मामले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बूथ स्तरीय कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं,, राम निहोर यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। सपा की करमा जोन की बैठक शनिवार को बाबा बिहारी इंटर कॉलेज भरकवाह में शनिवार को जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव की अध्यक्षता में हुई। जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए मंत्रणा की। वक्ताओं ने बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को सजग रहकर चुनाव में जीत दिलाने का मंत्र दिया । सपा जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि बूथ स्तरीय कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर पांच मत बढ़ाने का काम करेंऔर मतदाता सूची में 18 वर्ष से ऊपर होने वाले नए मतदाताओं के नाम बढ़वाये और जीत हासिल करने के लिए बूथ कमेटी की बैठक करते रहें। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने पश्चिम बंगाल के चुनावएवं बिहार के चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि लोकतंत्र आज खतरे में है उसे बचाने की जरूरत है ।जुल्म जातियों की सरकार को हटाकर सपा की सरकार बनानी पड़ेगी। पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि एस, आई ,आर के बाद भी फर्जी मतदाताओं के नाम अभी भी पड़े बनती है तो 300 यूनिट घरेलू बिजली लोगों को मुत मिलेगी। इसके लिए शिक्षित होना जरूरी है। डॉक्टर लोकपति सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही रवैया से चल रही है जिससे जनता महंगाई, बेरोजगारी का दंश झेल रही है आज संविधान को बचाने की जरूरत है। अवकाश प्राप्त प्रवक्ता ब्रह्मानंद त्रिपाठी ने कहा कि इस समय महंगाई ,बेरोजगारी से जनमानस परेशान हो चुका है ऐसे में सोच समझकर मतदान करने की आवश्यकता है । उक्त अवसर पर धीरज सिंह ,राजकुमार तिवारी, कमलापति मौर्य ,दिनेश पटेल, संजय यादव ,राजेंद्र सिंह, सुभाष यादव, इंद्र बहादुर यादव समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विधान सभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव ने किया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों पर जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत सोनभद्र पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों जैसे लैंगिक समानता, बाल विवाह, महिला हिंसा, लैंगिक शोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।अभियान के तहत मिशन शक्ति टीमों ने विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों और ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी।इसके साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के लिए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल एवं लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा व्ज्ञ साझा न करने के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

हरित पर्यावरण के लिए आगे आए शिक्षक

कुशीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग में पौध ारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुराग द्विवेदी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान अधिकाधिक वृक्षारोपण तथा पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम मिश्र ने कहा कि संस्था द्वारा पौधरोपण संग जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगाँठ एवं अन्य सामाजिक अवसरों पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन–जन तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से पौधरोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. जय शंकर पांडेय, डॉ. मनीष पांडेय, डॉ. पवनेश मणि, डॉ. अरविंद पांडेय, डॉ. शंभु प्रसाद, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. शिशिर पांडेय, डॉ. श्रीराम यादव, डॉ. नीतू श्रीवास्तव, डॉ. स्नेहलता सिंह, डॉ0 शुभ लक्ष्मी, डॉ. अरुणेश त्रिपाठी, डॉ. श्रीराम चौहान, डॉ. राघवेंद्र चौहान, डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. गोपालजी पांडेय, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ0 भूपेंद्र सिंह, रामचंद्र जी, पलटू कुमार तथा रवि कुमार आदि उपस्थित रहे।

24 साल बाद भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं डॉ. ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव

कुशीनगर। इंसान की पहचान उसके पद, प्रतिष्ठा या संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए सेवा और सद्कार्यों से होती है। यही कारण है कि समाजसेवी चिकित्सक डॉ. ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव के निधन के 24 वर्ष बाद भी लोग उन्हें उसी सम्मान और आत्मीयता के साथ याद कर रहे हैं।उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और क्षेत्रीय लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तमकुहीराज के भाजपा विधायक डॉ. असीम कुमार राय ने कहा कि डॉ. ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव का पूरा जीवन सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल रहा। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक तभी लोगों के दिलों में जगह बना पाता है जब उसके भीतर सेवा का भाव हो। डॉ. श्रीवास्तव ने अपने जीवन में इसी भावना को सर्वोपरि रखा, जिसका परिणाम है कि आज उनके निधन के 24 वर्ष बाद भी लोग उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ याद कर रहे हैं। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमचंद मिश्रा ने कहा कि डॉ. ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव बेहद सरल, सौम्य और सुलझे हुए व्यक्तित्व के धनी थे। किसी भी जरूरतमंद की मदद के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे। समाज के प्रति उनका समर्पण और लोगों के प्रति आत्मीय व्यवहार ही उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। डुमरिया मठ के महंत एवं पूर्व प्रधान रूद्रानंद गिरी ने डॉ. श्रीवास्तव के साथ बिताए अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि उन्होंने जीवनभर लोगों के दुख–दर्द को अपना समझा और बिना किसी भेदभाव के समाज की सेवा की। उनके व्यक्तित्व की यही विशेषता उन्हें आज भी लोगों के दिलों में जीवित रखे हुए है।

इस अवसर पर भाजपा नेता उमेश चंद्र श्रीवास्तव (मुन्ना लाल), बृज बिहारी श्रीवास्तव, बिपिन बिहारी श्रीवास्तव, समाजसेवी विजय राय, पं. मित्र राकेश श्रीवास्तव, राजेश गौड़, अंजुम श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार अशोक तिवारी, राजेश यादव, संजुम श्रीवास्तव, अनूप, ऋषि श्रीवास्तव, यशराज, ओम, मयंक सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. ब्रजेश चंद्र श्रीवास्तव के छोटे पुत्र राकेश श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ता एवं पत्रकार संयोग श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, गणमान्य लोगों और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पिता द्वारा दिखाए गए सेवा और मानवीय मूल्यों के मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

20 किलो 430 ग्राम अवैध गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना पन्नूगंज पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरतार कर उनके कब्जे से 20 किलो 430 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत 5 जून 2026 को कर्मनाशा नदी के पास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल की सीट के बीच छिपाकर रखा गया 20 किलो 430 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर दोनों अभियुक्तों को मौके से गिरतार कर लिया गया।इस संबंध में थाना पन्नूगंज पर मुकदमा संख्या 111/2026, धारा 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 113 में से 7 शिकायती पत्रो का मौके पर किया गया निस्तारण, शेष फरियादी बैरंग वापस

कुशीनगर। जनपद के खड्डा तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में 113 फरियादियों ने अपने अपने शिकायती पत्र अधिकारियों को सौंपा। जिसमें से 7 शिकायती पत्रो का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायती पत्रो को सम्बन्धित अधिकारियों को सौंप कर उनके समयबद्ध, गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 113 प्रकरण प्राप्त हुए। जिनमें से 07 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष 106 प्रकरणों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग से संबंधित 38, पुलिस विभाग से 19, पुलिस एवं राजस्व संयुक्त 06, विकास विभाग से 16 तथा अन्य विभागों से संबंधित 34 प्रकरण शामिल रहे। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का स्थलीय सत्यापन कर पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से राजस्व, पुलिस, विकास, समाज कल्याण, विद्युत, सिंचाई, शिक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा अधिकारी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का समाधान पूर्ण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ करें। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने कानून–व्यवस्था एवं जनसुरक्षा से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद, आपसी विवाद एवं अन्य संवेदनशील मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्य करते हुए त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयसीमा के भीतर निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा जनसमस्याओं के निराकरण में संवेदनशील एवं उत्तरदायी कार्यप्रणाली अपनाने पर बल दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान न0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
बी.एस.एन.एल. टावर खलीलाबाद मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 दैनिक बुद्ध का संदेश 9415163471, 9453824459, 9795951917, 9415163471, budhakasandesh@gmail.com, budhakasandeshnews@gmail.com, www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

हिबा नवाब बनीं जादूगरनी, बिविच्ड से प्रेरित इस शो में आएंगी नजर

अभिनेत्री हिबा नवाब टीवी पर लौट आई हैं। वह एक नए पारिवारिक सिटकॉम में मुख्य किरदार निभा रही हैं, जिसे क्लासिक अमेरिकी शो बिविच्ड से प्रेरणा लेकर बनाया गया है।

इसमें हिबा, ऊर्वशी नाम की एक प्यारी जादूगरनी बनी हैं। ऊर्वशी अपने पति आरव पटेल के लिए अपनी जादुई दुनिया तो छोड़ देती है, लेकिन जब रोजमर्रा के काम उलझने लगते हैं, तो वह जादू का इस्तेमाल करने से खुद को रोक नहीं पाती है।

इस शो में आपको खूब हंसी–मजाक देखने को मिलेगा और साथ ही राखी विजयन व अधिक मेहता जैसे जाने–पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे।

हिबा का झनक के बाद यह पहला शो है। इस धारावाहिक में उन्हें जादू से भरी कॉमेडी करने का गौका गिल रहा है, जो भारतीय टीवी पर बहुत कम ही देखने को मिलती है।

इस साल की शुरुआत में वह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर का हिस्सा बनने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। हिबा जिजीजी छत पर है और वो तो है अल्बेला जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं।

हिबा बताती हैं कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया है और करियर के हर उतार–चढ़ाव में उन्हें जमीन से जोड़े रखा व केंद्रित रहने में सहयोग दिया।

कंगना रनौत अब नर्स बनकर दिखाएंगी दम, 12 जून को रिलीज होगी फिल्म भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत एक बार फिर पर्दे पर अपनी दमदार अदाकारी का जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुचर्चित फिल्म भारत भाग्य विधाता की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया

है। 26/11 के मुंबई हमलों के दौरान कामा अस्पताल में नर्सों और मेडिकल स्टाफ के अदम्य साहस पर आधारित इस फिल्म में कंगना एक नर्स की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। पर्दे पर कब दस्तक देगी भारत भाग्य विधाता, आइए जानते हैं।

कंगना की बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत भाग्य विधाता की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया है। सच्ची घटना पर आधारित ये थ्रिलर फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मनोज तपड़िया के निर्देशन में बनी यह फिल्म 26ध्11 के मुंबई हमलों के दौरान कामा अस्पताल के उन अनसंग हीरोज की बहादुरी को सलाम करती है, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 400 लोगों को सुरक्षित बचाया था। फिल्म में कंगना एक नर्स की मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

कंगना के प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स ने अपनी अगली बड़ी फिल्म भारत भाग्य विधाता का आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया है। फिल्म के इस पोस्टर के साथ साझा किया गए संदेश में लिखा गया, साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी! इंसानियत की वो दास्तां, जब डर से कहीं बड़ा हौसला नजर आया। जब जिम्मेदारी ही बलिदान बन गई, जब एकता ही सबसे बड़ा कर्तव्य बनी और साहस ने बचाई मासूम जिंदगियां। पेश है भारत के असली नायकों की अनकही कहानी।

कंगना ने कहा, हम अक्सर शोर मचाने वाली बहादुरी का जश्न मनाते हैं, लेकिन असली साहस वो होता है, जो मौके पर डटा रहे, पीछे न हटे और जिम्मेदारी उठाए। भारत भाग्य विधाता साहस, बलिदान, इंसानियत और एकता की एक ऐसी अनकही कहानी है, जहां साधारण लोग आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े हो गए। ये देशभक्ति का सबसे शुद्ध रूप है, जहां कर्तव्य ही कर्म बन जाता है। कंगना आगे बोलीं, मुझे उस कहानी का हिस्सा बनने पर गर्व है, जो उन लोगों को सलाम करती है, जिन्होंने शहर के सबसे कठिन पलों में उसे थामे रखा। मुझे दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में कंगना के साथ कलाकारों की एक शानदार फौज नजर आएगी, जिसमें गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका अगाशे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे मंझे हुए सितारे अहम भूमिकाओं में हैं।

बॉक्स ऑफिस डे 1 कलेक्शनः 2026 में साउथ की सबसे बड़ी ओपनर, राम चरण की पेद्दी ने बनाए कमाई के ये 5 बड़े रिकॉर्ड्स

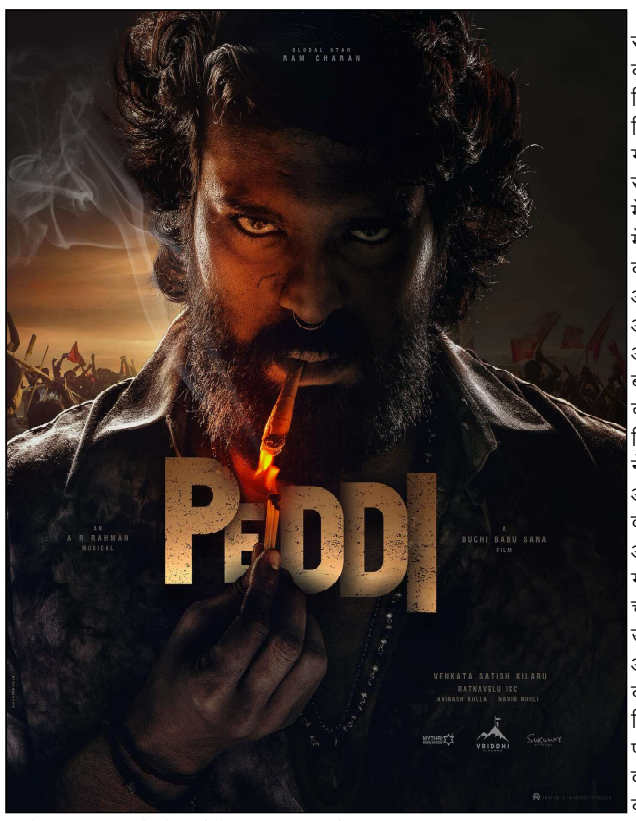

टॉलीवुड स्टार राम चरण की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म पेद्दी सिनेमाघरों में छा गई है. बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म पेद्दी में राम चरण खेल के तीन मैदानों में अलग–अलग अवतार में नजर आ रहे हैं. फिल्म बीती 4 जून को दुनियाभर में रिलीज हुई. पेद्दी ने पहले ही दिन अपनी कमाई से वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए हैं. राम चरण ने पेद्दी से खुद बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड में कई रिकॉर्ड जोड़ लिए हैं. पेद्दी ने पहले दिन वर्ल्डवाइड कितने करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है, मेकर्स ने इसकी कमाई का ऑफिशियल आंकड़ा जारी कर दिया है. पेद्दी का डे 1 कलेक्शन जानने के साथ बात करेंगे कि राम चरण ने अपनी नई रिलीज फिल्म से क्या–क्या रिकॉर्ड बना लिए हैं. राम चरण, जाह्नवी कपूर और दिव्येंदू शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म ने पहले ही दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 135.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. इसी के साथ पेद्दी ने अपने ओपनिंग कलेक्शन से ये पांच रिकॉर्ड अपने नाम कर लिये हैं. पेद्दी साल 2026 की इंडिया में दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन गई हैं. पहले नंबर पर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 है, जिसने 236.63 करोड़ रुपये से वर्ल्डवाइड ओपनिंग ली थी. इस लिस्ट में राम चरण ने अपने मेगास्टार पिता चिरंजीवी की माना शंकरा वारा प्रसाद गारू और पॉवर स्टार चाचा उस्ताद भगत सिंह को पीछे छोड़ दिया है.

मटका किंग के दूसरे सीजन का ऐलान, बृज भट्टी बनकर फिर लौटेंगे विजय वर्मा, नया पोस्टर भी रिलीज

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज मटका किंग की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यूं तो अभिनेता अपने नए–नए किरदारों से हमेशा दर्शकों का दिल जीतते आए हैं। सट्टा की दुनिया का बेताज बादशाह ब्रिज भट्टी का किरदार निभाकर उन्होंने ओटीटी पर तहलका मचा दिया है। सीरीज को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, आखिरकार निर्माताओं ने दूसरे सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। इसका ऐलान उन्होंने एक पोस्ट के जरिए कर दिया है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने मटका किंग 2 का ऐलान करते हुए लिखा, सीजन 2 के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। दूसरे सीजन पर काम जारी है। नागराज पोपटराव मंजुले द्वारा निर्देशित यह सीरीज बॉम्बे की 1960 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। विजय ने इसमें कपास व्यापारी ब्रिज भट्टी का किरदार निभाया है, जो अपनी किस्मत को बदलने के लिए जुआ नेटवर्क को खड़ा करता है। सीरीज में कृतिका कामरा, सिद्धार्थ जाधव, साई ताम्हणकर और गुलशन ग्रोवर भी हैं।

आपको बता दें कि 17 अप्रैल को मटका किंग का सीजन 1 प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था. भारत समेत दुनिया भर के 240 देशों में इसे देखा जा रहा है.

रिलीज के बाद सिर्फ दो दिनों में ही यानि 17–19 अप्रैल के बीच इस सीरीज को 3.4 मिलियन व्यूवरशिप मिली.

इसके बाद पहले हफ्ते में मटका किंग को रिकॉर्ड 4.5 मिलिनय व्यूज मिले. ऑरमैक्स मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 20–26 अप्रैल के बीच सबसे ज्यादा इस सीरीज को देखा गया. इसके बाद 27 अप्रैल से 3 मई के बीच इस सीरीज को 2.5 मिलियन व्यूज मिले.

सर्दी–खांसी होने पर पानी पीने का नहीं करता मन? इन तरीकों से बढ़ा सकते हैं सेवन

सर्दी–खांसी होने पर शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है, जिससे पसीना आने लगता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी हो जाती है। साथ ही सर्दी–जुखाम होने पर प्यास लगना भी कम हो जाती है, जिसके चलते डिहाइड्रेशन की समस्या आम हो जाती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सर्दी–खांसी होने पर भी पानी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

गर्म पानी का सेवन करें

सर्दी–खांसी होने पर गर्म पानी का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। इसका कारण है कि गर्म पानी शरीर को जल्दी पानी की कमी से बचा सकता है और रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ा सकता है। दिनभर में 8–10 गिलास गर्म पानी पीने की कोशिश करें। हालांकि, ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो, क्योंकि इससे मुंह के अंदर जलन हो सकती है। इस तरह से आप सर्दी–खांसी के दौरान पानी की कमी से बच सकते हैं।

ताजे फलों का रस पीएं

सर्दी–खांसी होने पर ताजे फलों के रस का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे न केवल शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिलेगी, बल्कि विटामिन–सी की अधिक मात्रा भी मिलेगी। यह पोषक तत्व शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ा सकता है। हालांकि, फलों के रस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। ताजे फलों के रस से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।

गुनगुने नींबू पानी का सेवन करें

नींबू विटामिन–सी का अच्छा स्त्रोत है, जो सर्दी–खांसी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। यह भी संक्रमण से लड़ने की क्षमता को बढ़ा सकता है। लाभ के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़ें और इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण का सेवन करें। नींबू पानी के सेवन से शरीर को और भी लाभ मिल सकते हैं, जैसे ताजगी और हाइड्रेशन आदि। आप इसमें नमक मिलाकर भी पी सकते हैं।

नारियल पानी पीएं

नारियल पानी में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाने के साथ–साथ शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम शरीर में पानी के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए नारियल पानी का सेवन दिनभर में 2 बार करें। नारियल पानी से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं और त्वचा में निखार आ सकता है।

सूप पीएं

सूप पीने से भी शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिल सकती है। सूप पीने से शरीर को पोषक तत्वों के साथ–साथ पानी की भी भरपूर मात्रा मिलती है। आप चाहें तो सब्जी का सूप या फिर क्लियर सूप का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपको डॉक्टर ने क्लियर सूप पीने से मना किया है तो आप इसके बजाय सब्जी का सूप पीएं। सूप पीने से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।